साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 30 जून से 06 जुलाई 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 04 में...
न्यायधानी में ज्ञान का मंदिर...

पेज 12 में...
जो जानवर नहीं खाते उसे गरीब खा रहे !

वर्ष : 01 अंक : 17 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 06 'ब्लैक डायमंड' पंचतत्व में विलीन...

प्रोजेक्ट बेपर्दा घोटाला बापर्दा

63 हजार से ज्यादा प्रोजेक्ट पूरे फिर भी रिपोर्ट नदारद

- डीएमएफ कटघरे में पारदर्शिता निर्देशों का खुला उल्लंघन
- छग. में 16 हजार करोड़ के 1 लाख से ज्यादा प्रोजेक्ट मंजूर
- छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक डीएमएफ फंड कोरबा से मिलता है

पूछता है छत्तीसगढ़

- 16 हजार करोड़ खर्च हुए पैसा कहां गया जनता नहीं जानती
- हजारों करोड़ खर्च फिर भी योजनाओं की असल तस्वीर क्या है ?
- क्यों है रिपोर्ट, निगरानी और योजना में पारदर्शिता नदारद
- ठेकेदार, प्रशासनिक अधिकारी और कमीशन का गठजोड़ क्या है?
- भुगतान पूरा लेकिन कई जिलों में काम अभी भी क्यों अधूरा ?
- एक ही एजेंसीं को कई जिलों का ठेका देना, जनसुनवाई क्यों नहीं ?

सुकांत राजपूत/रायपुर
मोबाईल नंबर 9827181979

छत्तीसगढ़ में डीएमएफ (जिला खनिज फाउंडेशन) के तहत, 2015-23 के बीच 9334 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जो कि कुल संग्रहित राशि का 77% है, यह छत्तीसगढ़ को डीएमएफ के उपयोग में देश में सबसे आगे रखता है। ओडिशा इस मामले में दूसरे नंबर पर है, जहां 59% राशि का उपयोग किया गया है। डीएमएफ एक गैर लाभकारी ट्रस्ट है। इसका मकसद उन लोगों और इलाकों के हित और लाभ के लिए काम करना जहां खनन कार्यों की वजह से जनजीवन पर प्रभाव पड़ता है। गौरतलब है कि पीएमकेकेकेवाई (प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना) के तहत 23 राज्यों के 644 जिलों में डीएमएफ का गठन किया गया है। इस फंड को खर्चने के बाद शासन के विभाग भी जनहितकारी कार्यों में पैसा खर्च कर रहे हैं फिर भी जमीनी स्तर पर प्रभावित इलाकों से विकास क्यों कोसों दूर है ?

शहर सत्ता/रायपुर। राज्य के 33 जिलों में अब तक 16 हजार करोड़ रुपए के एक लाख से ज्यादा प्रोजेक्ट डीएमएफ से मंजूर हुए हैं। इनमें से 63 हजार से अधिक कार्य पूर्ण भी किये गए हैं। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में डीएमएफ (जिला खनिज फाउंडेशन) के तहत हजारों प्रोजेक्ट पूर्ण हो चुके हैं। इस फंड से खर्च की गई राशि का हिसाब तो है, लेकिन निगरानी, प्रक्रिया और कार्यों में खर्च राशि में कोई पारदर्शिता नहीं है। कलेक्टर, प्रभारी मंत्री, विधायक-सांसद और अन्य जिम्मेदारों की सहमति से होने वाली डीएमएफ फंड खर्च करने की प्रक्रिया बेपर्दा थीं लेकिन खर्च करने के बाद जानकारी बापर्दा है। भूपेश सरकार में तो करोड़ों के डीएमएफ घोटाले का मामला कोर्ट में चल रहा है।

एक नजर

कोरबा में - 8890 प्रोजेक्ट	2746 करोड़ रुपए
बस्तर में - 7728 प्रोजेक्ट	2401 करोड़ रुपए
कोरिया में -8633 प्रोजेक्ट	549 करोड़ रुपए
बलौदाबाजार -5517 प्रोजेक्ट	503 करोड़ रुपए
दुर्ग में -5346 प्रोजेक्ट	412 करोड़ रुपए
रायगढ़ में -3381 प्रोजेक्ट	674 करोड़ रुपए
जांजगीर में -683 प्रोजेक्ट	862 करोड़ रुपए
बिलासपुर में -4071 प्रोजेक्ट	643 करोड़ रुपए

इन विभागों में बजट देकर किया गया घोटाला

आदिवासी विकास विभाग कोरबा को	खेल एंव युवा कल्याण विभाग को	समग्र शिक्षा विभाग कोरबा को	महिला एंव बाल विकास विभाग
29.86 करोड़ रुपए	27.62 करोड़ रुपए	72.26 करोड़ रुपए	119.39 करोड़ रुपए

जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा को	जनपद पंचायत पाली को	जनपद पंचायत करतला को	जनपद पंचायत कोरबा को
110.14 करोड़ रुपए	146.13 करोड़ रुपए	16.8 करोड़ रुपए	15.24 करोड़ रुपए

ठेकेदार संजय शेडे को	ठेकेदार ऋषभ सोनी को	ठेकेदार राकेश शुक्ला को	ठेकेदार मनोज द्विवेदी को
114.24 करोड़	54.87 करोड़	29.58 करोड़	19.11 करोड़

ठेकेदार मुकेश अग्रवाल को	ठेकेदार अशोक अग्रवाल को	ठेकेदार शेंड्रे मन्नुभाई पटेल को
50.21 करोड़	29.98 करोड़	10 करोड़

जवाबदेह नदारद, रिपोर्ट गायब

- डीएमएफ की ऑडिट और वार्षिक रिपोर्ट को वेबसाइट पर अपलोड करने का स्पष्ट निर्देश है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति के 3 माह के भीतर रिपोर्ट अपलोड नहीं की गई है
- दंतेवाड़ा में सबसे ज्यादा 2266 करोड़ के 10,739 प्रोजेक्ट मंजूर हुए वहां सिर्फ 2015-16 और 2019-20 तक की ही एक रिपोर्ट मौजूद है।
- बीजापुर में 03 सुकमा में 05 कोरबा जिले में सिर्फ 2024-2025 की एक रिपोर्ट और रायगढ़-रायपुर जैसे प्रमुख जिलों में 8-8 रिपोर्ट उपलब्ध हैं।
- जशपुर, बलरामपुर और रामानुजगंज जिलों में एक भी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं है।
- वर्ष 2022-23 के बाद की रिपोर्ट तो अधिकांश जिलों में अपलोड ही नहीं की गई है। जबकि इस वर्ष अधिकांश जिलों में हजारों नई परियोजनाएं पूरी हो चुकी है।

उठ रहे हैं ये सुलगते सवाल

मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली निगरानी समिति को कम से कम सालभर में दो बैठक करना अनिवार्य किया गया है। जब समिति की सालाना दो बैठकें अनिवार्य हैं तो सवाल उठना लाजमी है

1. क्या बैठकें हुईं?
2. बैठक हुई तो रिपोर्ट क्या सामने आई?
3. समय पर रिपोर्ट अपलोड नहीं की तो क्या कार्रवाई हुई?
4. क्या जिलों से शासन ने रिपोर्ट समय-सीमा में मांगा था?
5. डीएमएफ योजना का पूरा ब्यौरा, गड़बड़ियां क्या मिलीं?

केंद्र का राज्यों को है ये स्पष्ट निर्देश

- हर साल चार्टर्ड अकाउंटेंट से ऑडिट करवाना
- सीएजी ऑडिट का है निर्धारित प्रावधान
- हर बैठकों का कार्यवृत्त सार्वजनिक करना
- मुख्या सचिव की अध्यक्षता में निगरानी करना
- वित्तीय वर्ष समाप्ति के 3 माह में रिपोर्ट अपलोड करना

विदेशी गद्दों में मदहोश रातें...

पाखंडी बाबा तरुण के एनजीओ क्रांति योगा में 32 लोग टीम बनाकर काम करते थे। गोवा में रिसॉर्ट चलाता था डोंगरगढ़ की पहाड़ी को बना लिया था मदहोशी का अड्डा। जहां डेढ़ लाख रूपये कीमत वाले महंगे गद्दों में 14 रातों के प्रवास का सवा दो लाख रूपये तक वसूला जाता था। योगा फर्म से संबंध रखने वाले 32 राजदारों की जानकारी पुलिस को नेपाली कुक से पूछताछ में मिली है। पुलिस इन लोगों से संपर्क करने की कोशिश कर रही है। इस रिसॉर्ट में आने वाले विदेशी और स्थानीय लोगों को योग सिखाने के नाम पर हजारों से लाखों रुपए की राशि ली जाती थी। फिलहाल यहां के कुक और केयरटेकर से पुलिस पूछताछ कर रही है।

'पाखंडी बाबा' का पर्दाफाश, यूरोप तक था ड्रग्स का जाल

महंगे गद्दों में 14 रातों के प्रवास का सवा दो लाख रूपये रेट

आश्रम में यूरो करंसी में रेट चार्ट, विदेशी फंडिग की जांच

कथित योग गुरु तरुण उर्फ सोनू का गोवा में था रिसोर्ट

शहर सत्ता/रायपुर। डोंगरगढ़ की प्रज्ञा गिरी पहाड़ी पर गोवा जैसा आश्रम बनाने वाले कथित योग गुरु तरुण अग्रवाल उर्फ सोनू के क्रांति योगा नाम से बनाया गया गया। इसमें बाकायदा भारत सरकार का लोगो लगा हुआ है। इसमें आयुष मंत्रालय का जिक्र भी है। वहीं इनके योग सीखने आने वाले लोगों के लिए रेट चार्ट भी अपलोड है। यह रेट चार्ट यूरो करंसी में है। मतलब फंडिंग यूरोप से भी होती थी। पता चला है कि बाबा के गोवा के आश्रम में रखे पलंग के एक-एक गद्दे भी डेढ़ लाख रुपए से कम के नहीं है।

कथित पाखंडी बाबा के विदेशी कनेक्शन की जांच डोंगरगढ़ पुलिस ने शुरू कर दी है। डोंगरगढ़ पुलिस ने गोवा पुलिस से संपर्क किया है। दरअसल, डोंगरगढ़ आने से पहले तरुण अग्रवाल गोवा के पटनेम बीच में रिसॉर्ट चलाता था। इस रिसॉर्ट में आने वाले विदेशी और स्थानीय लोगों को योग सिखाने के नाम पर हजारों से लाखों रुपए की राशि ली जाती थी। फिलहाल यहां के कुक और केयरटेकर से पुलिस पूछताछ कर रही है।

एनजीओ के सदस्यों से जानकारी जुटाएगी पुलिस

क्रांति योगा इंटरनेशनल वेदिक रिसर्च एंड डवलपमेंट फाउंडेशन के सदस्यों से डोंगरगढ़ पुलिस जानकारी जुटाएगी। वेब पेज में इसे नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन लिखा गया है। गोवा में भारत सरकार की ओर से बाकायदा रजिस्टर्ड बताया गया है। डोंगरगढ़ पुलिस फिलहाल सोनू के बैंक खातों की डिटेल मंगवा रही है। गोवा में जो सोनू के खाते हैं उनकी जांच के लिए पत्राचार भी किया जा रहा है।

"बैंक खातों की डिटेल खंगाली जा रही कथित बाबा के बैंक खातों की डिटेल खंगाली जा रही है। इसके लिए गोवा के बैंकों से भी पत्र व्यवहार किया जा रहा है। फंडिंग और प्रॉपर्टी को लेकर जांच जारी है। पुलिस इस मामले में जल्द ही बड़ा खुलासा करेगी। **-आशीष कुंजाम, एसडीओपी, डोंगरगढ़**

रायपुर के बार, रेस्टोरेंट होटलों की सघन जांच

शहर सत्ता/रायपुर। शहर के वीआईपी रोड समेत अन्य इलाकों में विगत शुक्रवार और शनिवार को आबकारी की जिला , संभाग और राज्यस्तरीय टीमों द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। होटल , बारों , रेस्टोरेंट के निर्धारित समय बाद तक संचालित होने की शिकायतों पर पुलिस थानों और क्राइम ब्रांच की टीम ने भी शिकायत के आधार पर जांच की। शुक्रवार दिनांक 27/6/2025 को राज्य स्तरीय उड़नदस्ता द्वारा शहर के पांच बारों में छापामार कार्यवाही की जिसमें सूर्या बार के समय पश्चात खुला पाए जाने और होटल ओलिव , सेंट्रल पॉइंट , महिंद्रा और ली रॉय बार में पार्सल के रूप में विक्रय करते पाए जाने पर सुसंगत धाराओं में विभागीय प्रकरण कायम किया गया। 28/6/2025 को संभागीय उड़नदस्ता रायपुर द्वारा 6 छापामार कार्यवाहियां की गई। एलोरा , इशिका और सुधा रीजेंसी होटल बारों में पार्सल के रूप में विक्रय पाए जाने और होटल कोपाइको में बिना लाइसेंस मद्यपान करते पाए जाने पर सुसंगत धाराओं में विभागीय और आपराधिक प्रकरण कायम किए गए। आबकारी और पुलिस के दल द्वारा अलग - अलग शनिवार को होटल पुनीत , सेंट्रल पॉइंट , आदित्य , विनार , सवेरा , सालिटायर , मयूरा , सतलज , आर्किड , कोर्टयार्ड मैरियट , कोया , ज़ूक , एल्सव्हेयर , हाइपर क्लब , धूम्स विलेज और वीआईपी रोड के अन्य होटल रेस्टोरेंट की जांच की गई।

कलेक्टर और एसएसपी ने किया शहर गश्त

ट्रैफिक दबाव को ध्यान में रख रायपुर में नई सड़क व फ्लाईओवर योजनाओं पर मंथन

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर में बढ़ती आबादी और भविष्य के ट्रैफिक दबाव को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने शहर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों का दौरा कर संभावित विकास स्थलों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मठपुरैना, भाटागांव, उरकुरा, एक्सप्रेस-वे सहित अन्य महत्वपूर्ण इलाकों में प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण, नए एक्सप्रेस वे, फ्लाईओवर और रेलवे अंडरब्रिज/ओवर ब्रिज की संभावनाओं का गहन अवलोकन किया। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि, "आने वाले 4 से 5 वर्षों में रायपुर की जनसंख्या और ट्रैफिक में वृद्धि होगी। इस चुनौती का सामना करने के लिए अभी से रणनीतिक तैयारी की जा रही है।" कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि शहर में यातायात सुगमता हेतु नई सड़कों का निर्माण, एक्सप्रेस वे और फ्लाईओवर की योजना बनाना आवश्यक है। इस दौरान पहले से प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन, एडीएम देवेंद्र पटेल, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर सहित पुलिस, रेलवे और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

साप्ताहिक शहर सत्ता

न्यायधानी में ज्ञान का मंदिर...

- छत्तीसगढ़ में 100 करोड़ में बनेगी एजुकेशन सिटी
- बिलासपुर में अरपा नदी के किनारे होगा नालंदा परिसर
- हॉस्टल और स्टेडियम, 13 एकड़ का होगा पूरा कैम्पस
- 1000 क्षमता का हॉस्टल, 700 सीटर का ऑडिटोरियम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ में नालंदा और तक्षशिला की तर्ज पर एजुकेशन सिटी-हब बनाने जा रहे हैं। उन्होंने इसके लिए न्यायधानी और संस्कारधानी बिलासपुर को चुना हैं। जहां छत्तीसगढ़ के शिक्षार्थियों को एक ही छत और एक जगह पर सर्वसुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण मिले। उन्होंने अफसरों को जल्द निर्माण शुरू करने को कहा है। इस एजुकेशन सिटी को बिलासपुर शहर में एक आधुनिक एजुकेशनल हब के रूप में विकसित किया जाएगा। बिलासपुर नगर निगम की लगभग 13 एकड़ भूमि का उपयोग इस प्रोजेक्ट में होगा।

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार प्रदेश में एजुकेशन सिटी बनाने जा रही है। इसे बिलासपुर में तैयार किया जाएगाा। 100 करोड़ की लागत से ये सिटी अलग-अलग फेज में तैयार होगी। फिलहाल इसके लिए जमीन तय हो गई है। अरपा नदी के किनारे 13 एकड़ में इसे तैयार किया जाएगा। प्रारंभिक तौर पर तैयार एक नक्शा भी जारी किया गया है। किस जगह क्या बनेगा, ये तय किया गया है। जल्द ही कंस्ट्रक्शन शुरू होगा। इस एजुकेशन सिटी में 500 विद्यार्थी क्षमता का नालंदा परिसर, 700 सीटर आधुनिक ऑडिटोरियम, 1000 विद्यार्थी क्षमता वाले हॉस्टल, एस्ट्रोटर्फ खेल मैदान, गार्डन, मल्टी लेवल पार्किंग सहित तीन बहुमंजिला इमारतों का निर्माण किया जाएगा।

इसलिए किया गया बिलासपुर का चयन

भले ही रायपुर राजधानी बनाई गई लेकिन भिलाई और बिलासपुर को एजुकेशन हब कहा जाता रहा है। राज्य गठन के पहले से ही बिलासपुर में पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी का लेकर अलग माहौल रहा है। बिलासपुर में एसईसीएल का मुख्यालय और रेलवे का डीआरएम कार्यालय भी स्थित है, जिससे यह शहर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है।

ये होगी सुविधा

- 500 छात्र-छात्राएं एक साथ फिजिकल- डिजिटल लाइब्रेरी का लाभ ले सकेंगे।
- तीन बहुमंजिला इमारतों का निर्माण किया जाएगा, जिनमें कुल 48 हॉल सेटअप तैयार किए जाएंगे।
- इस व्यवस्था में एक साथ 4,800 विद्यार्थियों के कोचिंग क्लास अटेंड करने की सुविधा रहेगी।
- 700 सीटों वाले आधुनिक ऑडिटोरियम का निर्माण भी किया जाएगा।
- बाहर से आने वाले लगभग 1000 विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल फैसिलिटी भी निर्मित की जाएगी।

अवैध रेत उत्खनन पर कड़ी कार्रवाई, 1 चैन माउंटेन वाहन जब्त

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु खनिज विभाग द्वारा सतत कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में 27 जून को संयुक्त टीम द्वारा महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम कर्राडीह महानदी क्षेत्र में रेत का अवैध उत्खनन करते हुए एक चैन माउंटेन वाहन को जप्त किया गया। वाहन को जब्त कर सुरक्षार्थ तुमगांव थाना में खड़ा किया गया है। खनिज अधिकारी श्री योगेन्द्र सिंह ने बताया कि उक्त वाहनों पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के अंतर्गत कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस प्रकरण में 2 से 5 वर्षों की सजा का प्रावधान है और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज कर न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया जाएगा। पूर्व में भी खनिज पट्टेदारों एवं खनिज परिवहनकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि बिना वैध अभिवहन पास के खनिज का उत्खनन, परिवहन या भंडारण करना कानूनन अपराध है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु खनिज विभाग का विशेष अभियान सतत जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अब खेती की जमीन पर बना सकेंगे तीन मंजिला मकान

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों को बड़ी सौगात देते हुए कृषि भूमि पर तीन मंजिला मकान बनाने की मंजूरी दे दी है। इसके लिए भूमि डायवर्सन की लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। किसानों को केवल निर्धारित शुल्क जमा करना होगा, जिसके बाद उनका कृषि भूखंड स्वतः आवासीय उपयोग के लिए मान्य माना जाएगा। यह नई व्यवस्था 'छत्तीसगढ़ किफायती आवास योजना 2025' के तहत लागू की जा रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में किफायती आवासों को बढ़ावा देना और किसानों को भूमि उपयोग की अधिक स्वतंत्रता देना है।

किसे मिलेगा लाभ?

- जिनके पास 2 से 10 एकड़ तक कृषि भूमि है
- भूखंड पारिवारिक विभाजन से मुक्त हो
- निर्धारित शुल्क का भुगतान करने वाले
- निर्माण क्षेत्र अधिकतम 150 वर्ग मीटर और प्रति यूनिट 90 वर्ग मीटर तक
- योजना में सामूहिक और संयुक्त आवास दोनों की अनुमति
- पंजीकृत बिल्डर या सहकारी संस्था के माध्यम से कालोनी विकसित करने की अनुमति

मानसून धीमा लेकिन सक्रिय, 33 जिलों में यलो अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की चाल धीमी रही है, लेकिन पिछले सप्ताह से इसमें तेजी आई है। मौसम विभाग ने रविवार को राज्य के 33 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। सूरजपुर, बलरामपुर और जशपुर में भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। वहीं सुकमा, दंतेवाड़ा, रायपुर और कबीरधाम समेत अन्य जिलों में भी गरज-चमक के साथ बारिश के आसार हैं।

सामान्य से 24% कम, बलरामपुर टॉप पर

1 जून से 27 जून तक प्रदेश में औसतन 122.2 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य औसत 160.9 मिमी होता है। यानी बारिश में 24% की कमी दर्ज की गई है। बलरामपुर इकलौता जिला है, जहां सामान्य से 115.5% अधिक बारिश हुई है—245.7 मिमी।

सबसे सूखा रहा राजनांदगांव और सुकमा

राजनांदगांव में अब तक मात्र 31.8 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 80% कम है। वहीं सुकमा में भी बारिश में 69% की गिरावट आई है। 19 जून से 25 जून तक राज्य में 59.9 मिमी बारिश हुई, जबकि सामान्य 66.6 मिमी होती है। यानी केवल 10% की कमी, जिससे संकेत मिलता है कि मानसून की गतिविधि तेज हो रही है।

मई में मानसून ने किया था चौंकाया

मई 2024 में 373% अधिक बारिश दर्ज की गई। शुरुआती सक्रियता के बाद मानसून फिलहाल स्थिर है, लेकिन अगले कुछ दिनों में इसमें तेजी की संभावना जताई जा रही है।

अब न पर्ची का झंझट, न विवाद की गुंजाइश; फास्ट टैग से होगा सीधा भुगतान

रायपुर एयरपोर्ट पर पार्किंग का नया सिस्टम लागू

शहरसत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर पार्किंग को लेकर आए दिन होने वाले विवाद अब अतीत की बात हो गए हैं। एयरपोर्ट प्रशासन ने एक जुलाई से नई डिजिटल पार्किंग प्रणाली लागू कर दी है। इसमें अब हाईवे की तरह फास्ट टैग के माध्यम से शुल्क कटौती की जाएगी। इस बदलाव से यात्रियों को न केवल आरामदायक अनुभव मिलेगा, बल्कि भुगतान में पारदर्शिता और विवादों से मुक्ति भी सुनिश्चित होगी।

फास्ट टैग रीडर से होगी पार्किंग एंट्री

अब जब कोई चार या दो पहिया वाहन एयरपोर्ट की पार्किंग में प्रवेश करेगा, तो प्रवेश द्वार पर लगा फास्ट टैग रीडर वाहन पर लगे फास्ट टैग को स्कैन करेगा। स्कैन होते ही स्वचालित पर्ची निकलेगी जिसमें वाहन की एंट्री का समय दर्ज होगा। यदि वाहन चालक 5 मिनट के भीतर बाहर निकलता है तो कोई शुल्क नहीं देना होगा। इससे अधिक समय रुकने पर फास्ट टैग से निर्धारित राशि कट जाएगी।

एयरपोर्ट पार्किंग मैनेजर आशीष मिश्रा ने बताया- "अब वाहन चालक को कैश लेन-देन, पर्ची दिखाने या बहस करने की जरूरत नहीं है। सिस्टम पूरी तरह डिजिटल है और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होगी।" एयरपोर्ट परिसर में पार्किंग शुल्क और नियमों को लेकर किसी भी प्रकार की गलतफहमी या विवाद न हो, इसके लिए प्रवेश और निकास द्वार पर सूचना बोर्ड लगाए गए हैं, जिनमें शुल्क और समय सीमा की स्पष्ट जानकारी दी गई है। इससे अब यात्रियों और ड्राइवरों को यह पहले से ही पता रहेगा कि उन्हें कितना शुल्क देना है और कब तक रुकना है। नई व्यवस्था को लेकर एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों और टैक्सी चालकों से लेकर आम नागरिकों तक ने संतोष जताया है।

नया शुल्क और समय

- 5 मिनट तक की पार्किंग पूरी तरह मुफ्त है, चाहे वह दो पहिया हो या चार पहिया।
- चार पहिया वाहन यदि 5 मिनट से अधिक रुकता है तो ₹40 शुल्क फास्ट टैग से कटेगा।
- कमर्शियल गाड़ियों के ड्रॉप (यानी सवारी छोड़ने पर) कोई शुल्क नहीं लगेगा।
- लेकिन पिकअप करने पर ₹60 शुल्क लगेगा।
- यदि चार पहिया वाहन 2 घंटे तक एयरपोर्ट में रुकता है तो शुल्क ₹65 होगा।
- यदि वाहन 24 घंटे तक खड़ा रहता है, तो यह शुल्क ₹195 तक पहुंच जाएगा।
- दो पहिया वाहनों के लिए 5 मिनट तक कोई शुल्क नहीं लगेगा,
- लेकिन 5 मिनट से ऊपर आधा घंटे तक रुकने पर ₹15 देना होगा,
- और 24 घंटे तक रुकने पर ₹45।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

गैजेट की गुलामी

उपकरणों के द्वारा, टीवी-मोबाइल से पता नहीं कितने विचार रोज हमारे मन तक पहुंच रहे हैं। कुछ विचार हमें निराश कर देते हैं। जो हमें निराश कर देते हैं। ऐसे विचारों से बचें। अच्छे विचार हमारे जीवन में दिव्यता ला सकते हैं। अगर हमारी संगति सकारात्मक और सात्विक है तो जीवन में उन्नति जरूर मिलेगी। खुद की, अपने परिजनों की और मित्रों की उन्नति के लिए बहुत आवश्यक भी है। लेकिन आज की पीढ़ी और उनकी मित्रमंडली उपकरणों से मिल रही ज्यादातर बुरी और कमतर अच्छी विचारधाराओं में उलझकर रह गई है। किशोर मन विचलित हो रहा है और सब कुछ जानने उसे महसूस करने के लिए तत्पर भी है। कोलकाता व्यभिचार में लिप्त आरोपियों की मनोदशा भी उपकरणों की उत्तेजना का ही परिणाम है। यहां संगती और सत्संग भी अहम् भूमिका में है।

हमें अपनी आत्मा पर दो बार काम करना चाहिए- सोने के पहले, उठने के बाद। फिर शरीर पर चार बार काम करना चाहिए- स्नान, पूजन, भोजन, शयन के समय। लेकिन मन पर प्रतिपल काम करना पड़ेगा। मन का मामला ऐसा है कि आपने जरा-सा मौका दिया तो मन काम दिखा जाएगा। सवाल उठता है मन पर प्रतिपल किन बातों का काम किया जाए। मन का संयम और शरीर की सावधानी- इससे आप ठीक हो जाएंगे। लेकिन मन के प्रभाव से बीमार हुए तो इलाज आप ही को करना पड़ेगा। क्योंकि मन जो भीतर करता है, ये बाहर किसी को तभी पता चलता है जब घृणित कार्य के बाद परिणाम सामने होता है।

भारत में रात को सोने के पहले 80% लोग उपकरणों का उपयोग करते हैं और जब इलेक्ट्रॉनिक गैजेट हाथ से गिर जाता है, तब सोते हैं। 10 से 11 के बीच सोना सबसे अच्छा है। सोते समय और उठने के तुरंत बाद भी हमें उपकरणों से दूरी बनाए रखना चाहिए। उपकरण हमारे भीतर की जैविक घड़ी को बिगाड़ रहा है। इन्हीं वजहों से तो हम चिड़चिड़े हो रहे हैं। इसको अंग्रेजी में सर्केडियन रिदम कहते हैं। यह अच्छे-अच्छों का बिगड़ा हुआ है। अगर आप देर रात तक जाग रहे हैं, तो आपकी जैविक घड़ी गड़बड़ाएगी। दिनभर हम कामकाज, रिश्तों का दबाव लेते हैं और फिर उपकरणों के ब्लैक होल में समाते जाते हैं। स्वाभिक है ऐसे में रिश्ते और विचार आपके उपकरणीय यंत्रों के स्वादानुसार ही आएंगे।

कोंदा-भैरा के गोठ

-कतकों टीवी चैनल मन म ज्योतिष ले समस्या के समाधान वाले कार्यक्रम देखाथें नहीं जी भैरा.. अब अइसनो मन ले बाँच के रहे के जरूरत हे.

-कइसे जी कोंदा.. वो मन अंते-तंते बता देथें का?

-अंते-तंते तो बताथेंच संग म डर-भय देखा के ठगी घलो करथें.

-वाह भई.. आजकाल तो सबोच टीवी चैनल मन म कोनो न कोनो ज्योतिष ल समस्या के समाधान बतावत देखाबे करथें.

-हव.. कांकेर के मीरा साहू नॉव के एक माईलोगिन ह अभी डीडी फ्री डिश चैनल म प्रसारित जय माँ कामाख्या संस्थान के राघवेंद्र आचार्य धीरज रावत ले 28 लाख रुपिया के ठगी के शिकार होगे.

-मरना हे गा.. अइसन प्रतिष्ठित संस्थान के नॉव म घलो ठगी.!

-हव.. मीरा साहू ह वो कार्यक्रम के बेरा फोन लगा के गोठबात करे रिहिसे उही नंबर म फेर वो ज्योतिष ह घेरीभेरी फोन कर कर के मीरा के घर म अकाल मृत्यु के डर देखा देखा के 28 लाख रुपिया अपन खाता म मँगवा डारे रिहिसे.. कई पइत के इही चरित्तर म हलाकान होके मीरा ह पुलिस म ए बात के रिपोर्ट करिस त कांकेर पुलिस ह वो ज्योतिष ल दिल्ली ले गिरफ्तार कर के लाने हे.

भाजपा का कैसे बढ़ा जनाधार...

संजय कुमार

आज की भाजपा को देखें तो इसने आजादी के बाद न सिर्फ अपना नाम बदला, बल्कि अपने सामाजिक आधार में भी बड़ा बदलाव किया है। 1951 से 1977 के बीच इसे जनसंघ के नाम से जानते थे। फिर 1977 से 1980 के बीच यह जनता पार्टी हुई और अंतत: 1980 में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ने इसे भारतीय जनता पार्टी के तौर पर स्थापित किया।

बीते दशकों में पार्टी का जनाधार बहुत तेजी से बढ़ा है, जिसके चलते कुछ दशकों तक भारतीय राजनीति के हाशिए पर रही भाजपा आज पूर्ण चुनावी प्रभुत्व वाली पार्टी बन गई है। एक जमाने में इसे ब्राह्मण-बनिया पार्टी कहा जाता था। लेकिन तब से अब तक पार्टी के समर्थकों में हुए व्यापक बदलाव के चलते अब भाजपा ग्रामीण, बहुजन, निचले और गरीब तबके के मतदाताओं में गहरी जड़ें जमा चुकी है। यह सब इसलिए संभव हुआ, क्योंकि पार्टी ने नाम के साथ अपनी विचारधारा, चुनावी-रणनीति और शासन के तौर-तरीकों में भी बदलाव किया। मौजूदा भाजपा की हिन्दुत्व विचारधारा का विपक्ष के पास कोई तोड़ नहीं दिख रहा।

राष्ट्रीय गौरव का आभास देने वाला धुर-राष्ट्रवाद, सरकारी योजनाओं के जरिए बनाया गया बड़ा वोट बैंक और पार्टी की वित्तीय और संगठनात्मक ताकत ने आज इसे दुर्जेय बना दिया है। 1996 के लोकसभा चुनाव से अब तक हुए लोकनीति-सीएसडीएस के विभिन्न चुनाव-उपरांत सर्वेक्षणों से मिले प्रमाण यह इशारा करते हैं कि भाजपा ने उन मतदाता वर्गों में भी गहरी पैठ जमा ली है, जो दशकों तक उसे वोट नहीं देते थे।

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की आबादी को लेकर भले ही अभी विवाद हो, लेकिन इन सर्वेक्षणों के साक्ष्य बताते हैं कि भाजपा ने इस बड़े मतदाता वर्ग में भी व्यापक समर्थन हासिल किया है। 1996 के चुनाव में महज 19% ओबीसी मतदाताओं ने भाजपा को वोट दिया था, लेकिन 2024 के चुनाव में भाजपा को इस वर्ग के 43% वोट मिले। यह ओबीसी वोटरों में भाजपा के व्यापक तौर पर बढ़े जनाधार को बताता है।

इसी प्रकार भाजपा ने दलित, आदिवासी कहे जाने वाले बहुजन समाज भी में भी अपनी पकड़ मजबूत की है। 1996 के चुनाव में पार्टी को दलित समुदाय के सिर्फ 14% वोट मिले, जो 2024 में बढ़ कर 31% हो गए। आदिवासी मतदाताओं में भी पार्टी ने 1996 के 21% मतों की तुलना में 2024 में 48% वोट हासिल किए। परंपरागत तौर पर भाजपा को ऐसी पार्टी माना जाता था, जो उच्च और मध्यम वर्ग के मतदाताओं के बीच लोकप्रिय थी। गरीब तबके के वोटरों में पार्टी को उतना पसंद नहीं किया जाता था। लेकिन विभिन्न आर्थिक वर्ग के मतदाताओं के दृष्टिकोण से भी पार्टी के जनाधार में जबर्दस्त परिवर्तन हुआ है। अब पार्टी उच्च और मध्यम आयवर्ग के साथ ही गरीब वर्ग के मतदाताओं में भी समान रूप से लोकप्रिय है। 2014 के लोकसभा चुनाव में गरीब तबके से जुड़े वोटरों के 24% मत भाजपा को मिले थे, जो 2024 में बढ़कर 37% हो गए।

भाजपा शासित राज्यों में लगातार गरीबों को लाभ देने वाली योजनाएं संचालित की गईं और इसी के कारण यह संभव हो पाया। बहुत कम ही सही, लेकिन मुस्लिम मतदाताओं के बीच भी पार्टी ने समर्थन हासिल किया है। 1996 के चुनाव में 2% मुस्लिम वोट पार्टी को मिले थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 8% पहुंच गया।

भाजपा के जनाधार में इस विस्तार को न सिर्फ सामुदायिक, बल्कि भौगोलिक नजरिए से भी देखा जा सकता है। शहरी भारत की पार्टी कही जाने वाली पार्टी बीते दशक में गांवों में भी समान रूप से लोकप्रिय हो गई। 2014 के लोकसभा चुनाव में जहां पार्टी को 30% ग्रामीण मतदाताओं ने मत दिया, वहीं 2024 में उसे गांवों से 36% वोट मिले। भाजपा के जनाधार में इस विस्तार ने पार्टी को स्पष्ट तौर पर एक ऐसी पार्टी बना दिया, जिस पर जीत हासिल करना बेहद कठिन है। इस विस्तार के दम पर पार्टी ने ना केवल एक के बाद एक कई चुनाव जीते, बल्कि 14 राज्यों में खुद की और सात राज्यों में गठबंधन दलों के साथ सरकारें बनाईं। यहां यह भी जोड़ना जरूरी है कि भाजपा ने 2014, 2019 और 2024 में लगातार विजय हासिल कर इतिहास भी रच दिया। अटल-आडवाणी के दौर की भाजपा की तुलना में आज की भाजपा के पास तुलनात्मक तौर पर अधिक स्थायी जनाधार है। नई भाजपा टिके रहने के लिए है, क्योंकि आज पार्टी की जड़ें कहीं अधिक गहरी और व्यापक हैं।

एक जमाने में भाजपा को ब्राह्मण-बनिया पार्टी कहा जाता था। लेकिन तब से अब तक पार्टी के समर्थकों में हुए व्यापक बदलाव के चलते वह ग्रामीण, बहुजन, निचले और गरीब तबके के मतदाताओं में भी गहरी जड़ें जमा चुकी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अंतरिक्ष में भारत की खगोलीय यात्रा के 11 वर्ष

डॉ. जितेन्द्र सिंह

केरल के थुंबा में मछली पकड़ने वाले शांत गाँव के चर्चयार्ड से साउंडिंग रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुई भारत की अंतरिक्ष यात्रा के बारे में शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि एक दिन देश कितनी ऊँचाईयों को छूएगा। यह समय दृढ़ संकल्प का था, जब सितारों तक पहुँचने का सपना सीमित साधनों, लेकिन असीम महत्वाकांक्षा के साथ परवान चढ़ा। आज, वह सपना विकसित होकर एक राष्ट्रीय मिशन का रूप अख्तियार कर चुका है, और जब हम नरेन्द्र मोदी सरकार के ग्यारह वर्षों को चिन्हित कर रहे हैं, तो भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में आमूल-चूल बदलाव आ चुका है – यह साहसपूर्ण, समावेशी और आम नागरिकों के जीवन से गहराई से संबद्ध है।

यह परिवर्तन केवल रॉकेट और उपग्रहों से ही संबंधित नहीं है, अपितु यह लोगों के बारे में है। यह दर्शाता है कि दूरदराज के गाँव के किसान से लेकर डिजिटल कक्षा के छात्र तक, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी किस प्रकार रोजमर्रा की जिंदगी की लय में खामोशी से शामिल हो चुकी है । प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और अंतरिक्ष विभाग के रणनीतिक नेतृत्व में, भारत ने विकास, सशक्तिकरण और अवसर के उपकरण के रूप में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम की नए सिरे से परिकल्पदना की है। साल 2014 से शुरू किए गए सुधारों ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। 2020 में इन-स्पे स की स्थारपना ने निजी कंपनियों को अंतरिक्ष गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया, जिससे नवाचार की लहर उठी। आज, 300 से अधिक अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप उपग्रह बना रहे हैं, प्रक्षेपण वाहन डिजाइन कर रहे हैं तथा कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और नेविगेशन के क्षेत्र में सेवाएं देने वाले अनुप्रयोग विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप केवल प्रौद्योगिकी ही सृजित नहीं कर रहे हैं - वे खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में युवा इंजीनियरों और उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसरों का भी सृजन कर रहे हैं। उदारीकृत अंतरिक्ष नीति ने अंतरिक्ष सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बना दिया है, जिससे उन्नत प्रौद्योगिकी का लाभ जमीनी स्तर पर पहुंच रहा है।

भारत के उपग्रह अब मौसम पूर्वानुमान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनकी बदौलत किसानों को अपनी बुवाई और कटाई के चक्रों की योजना अधिक सटीकता से बनाने में मदद मिलती है। बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में, उपग्रह डेटा प्रारंभिक चेतावनी और आपदा प्रतिक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे जीवन और आजीविका की रक्षा होती है। चक्रवातों और सूखे के दौरान रिमोट सेंसिंग के कारण अधिकारियों को तैयार रहने और नुकसान को कम करने में मदद मिलती है। ग्रामीण क्लीनिकों में, उपग्रह

कनेक्टिविटी द्वारा संचालित टेलीमेडिसिन की बदौलत शहरी केंद्रों के डॉक्टरों द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों में रोगियों को परामर्श मुमकिन हो पाता है, जिससे स्वास्थ्य सेवा से संबंधित खाई पाटना संभव होता है। सैटेलाइट बैंडविड्थ द्वारा समर्थित ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म यह सुनिश्चित करते हुए कि भूगोल अब सीखने में बाधा नहीं रहा है, दूर-दराज के गाँवों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। भारत के स्वदेशी जीपीएस नेटवर्क-नाविक प्रणाली का इस्तेमाल अब वाहनों में नेविगेशन, ट्रेनों और जहाजों पर नज़र रखने और मछुआरों को किनारे पर सुरक्षित वापस लाने के लिए किया जाता है। कृषि में, उपग्रह परामर्श से किसानों को मिट्टी की नमी, फसल की सेहत और कीटों के संक्रमण की निगरानी करने में मदद मिलती है, जिससे उचित निर्णय लेने और बेहतर पैदावार प्राप्त करने में मदद मिलती है। ये काल्पैनिक लाभ नहीं हैं, बल्कि - ये लाखों लोगों के जीवन में आया वास्तविक, उल्ले खनीय सुधार हैं। बीते दशक में शुरू किए गए मिशनों ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। मंगलयान भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हुए अपने पहले ही प्रयास में मंगल पर पहुँच गया। चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट उतरा, ऐसा क्षेत्र जहां बर्फ होने का अनुमान है, और इसके रोवर ने ऐसे प्रयोग किए जो भविष्य के चंद्र मिशनों को जानकारी प्रदान करेंगे। आदित्य-एल1 अब सौर तूफानों का अध्ययन कर रहा है, जिससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष के मौसम तथा संचार प्रणालियों और बिजली ग्रिड पर इसके प्रभाव को समझने में मदद मिल रही है। साल 2027 के लिए निर्धारित गगनयान मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजेगा। चालक दल की उड़ान से पहले ही, यह मिशन नई पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है। अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण, सुरक्षा प्रणालियों का विकास और चालक दल रहित परीक्षण उड़ानें व्यापक प्रभाव उत्पन्ने कर रही हैं - अनुसंधान को बढ़ावा दे रही हैं, प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हं और राष्ट्रीय गौरव का निर्माण कर रही हैं। भविष्य पर गौर करते हुए, भारत 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन- भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन- की योजना बना रहा है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

जगन्नाथ रथयात्रा के बाद भगदड़ 3 की मौत, 50 लोग घायल

CM माझी ने माफी मांगी, 2 अफसर सस्पेंड

पुरी। पुरी में रविवार सुबह करीब 4 बजे गुंडिचा मंदिर के सामने भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के पास भगदड़ मच गई। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद रविवार तड़के करीब 4 बजे भगदड़ मच गई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 घायल हो गए। घायलों में 6 की हालत गंभीर है।

हादसा जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुटी थी, इसी दौरान भगदड़ मची। CM मोहन चरण माझी ने घटना पर माफी मांगी है। उन्होंने X पर लिखा, 'मैं और मेरी सरकार भगवान जगन्नाथ के सभी भक्तों से व्यक्तिगत रूप से क्षमा मांगते हैं। यह लापरवाही माफ करने लायक नहीं है।' इसके बाद राज्य सरकार ने पुरी के कलेक्टर और SP का तबादला कर दिया। चंचल राणा को नया कलेक्टर और पिनाक मिश्रा को नया SP बनाया गया है। साथ ही DCP और कमांडेंट को निलंबित कर दिया गया है।

जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, लोगों में दर्शन की होड़ लग गई

पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई। इसी दौरान भगदड़ मची, जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था। हादसे में मारे गए लोगों के नाम बसंती साहू (36), प्रेमकांति महांति (78) और प्रभाती दास हैं। इनके शव पुरी मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं। इससे पहले शुक्रवार (27 जून) को देवी सुभद्रा के रथ के आसपास भीड़ का दबाव बढ़ने से 625 से ज्यादा श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई थी। प्रशासन के मुताबिक 70 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से 9 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रूस ने यूक्रेन का F-16 मार गिराया, पायलट की मौत

कीव/मॉस्को। रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर तीव्र हवाई संघर्ष के केंद्र में आ गया है। रविवार रात रूस ने यूक्रेन पर 477 ड्रोन और 60 मिसाइलों से अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। इनमें से यूक्रेनी वायु सेना ने 475 हमलों को नाकाम करने का दावा किया है। इस हमले के दौरान एक F-16 फाइटर जेट रूसी मिसाइल का निशाना बन गया, जिससे उसके पायलट पावलो इवानोव की मौत हो गई। यूक्रेन ने बताया कि पायलट ने हमले के दौरान 6 मिसाइलें मार गिराईं, लेकिन आखिरी टारगेट को हिट करते वक्त तकनीकी गड़बड़ी के कारण उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट विमान को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले जाने में सफल रहे, लेकिन समय रहते इजेक्ट नहीं कर सके।

रूसी हमलों में यूक्रेन के रिहायशी इलाकों को नुकसान पहुंचा और 6 लोग घायल हो गए। हालांकि यूक्रेन का कहना है कि वायु रक्षा प्रणालियों ने ज्यादातर हमलों को नाकाम किया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। इस हमले से पहले 28 जून की सुबह यूक्रेन ने क्रीमिया स्थित किरोव्स्के एयरबेस पर ड्रोन हमला किया था।

यूक्रेनी सुरक्षा सेवा (SBU) के मुताबिक हमले में रूस के कई Mi-8, Mi-26, Mi-28 अटैक हेलिकॉप्टर और एक पैंटसिर-S1 वायु रक्षा प्रणाली तबाह की गई। हालांकि रूस ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है। 27 जून को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि मास्को शांति वार्ता के नए दौर के लिए तैयार है। उन्होंने इस्तांबुल में बातचीत की पेशकश की थी, लेकिन जमीनी हालात इसके उलट दिखे। अब तक हुई वार्ताओं में कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है, और संघर्ष लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

स्कूल में घुसा बाढ़ का पानी, 162 बच्चों ने छत पर चढ़कर बचाई जान

पूर्वी सिंहभूम। झारखंड में बारिश ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है. पूर्वी सिंहभूम जिले में भी भारी बारिश हो रही है. बारिश के कारण पोटका के कोवाली थाना क्षेत्र के हरिणा स्थित गुदरा नदी का जलस्तर बढ़ गया है. नदी का पानी घरों व आसपास के इलाकों में घुसने लगा है. शनिवार की रात नदी के पास स्थित लव कुश आवासीय विद्यालय में भी पानी घुस गया. उस समय बच्चे स्कूल के छात्रावास में सो रहे थे. अचानक पानी बढ़ने से वहां सो रहे 162 बच्चों में अफरातफरी मच गई. बच्चे किसी तरह स्कूल की छत पर भागे और अपनी जान बचाई. स्कूल पूरी तरह जलमग्न हो गया था. सुबह होने पर पुलिस को इस घटना की सूचना दी गई. जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों की मदद से छत पर फंसे बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला.

रस्सी व नाव की मदद से बच्चों को रेस्क्यू कर पास के सरकारी स्कूल में सुरक्षित रखा गया है. सभी बच्चे पूरी तरह भीग गए हैं. इस रेस्क्यू ऑपरेशन में कोवाली थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान व मुसाबनी डीएसपी संदीप भगत ने महत्वपूर्ण योगदान दिया. "सुबह 5:00 बजे कोवाली थाना प्रभारी ने फोन कर बताया कि स्कूली बच्चे बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं।

कर्नाटक के CM बनेंगे डीके शिवकुमार

नई दिल्ली। कर्नाटक के कांग्रेस विधायक एच. ए. इकबाल हुसैन ने रविवार (29 जून, 2025) को दावा किया कि डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को अगले दो से तीन महीनों के अंदर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिल सकता है. शिवकुमार के करीबी माने जाने वाले विधायक की ये टिप्पणी इस साल के अंत में कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच आई है. सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना के हालिया बयान के बाद चर्चा फिर से शुरू हो गई, जिसमें सितंबर के बाद राज्य में क्रांतिकारी राजनीतिक बदलाव के संकेत दिए गए थे. उन्होंने कहा था कि आप सभी जानते हैं कि इस सरकार के सत्ता में आने से पहले हमारी (कांग्रेस की) ताकत क्या थी. पीटीआई के मुताबिक कांग्रेस विधायक ने कहा कि हर कोई जानता है कि इस जीत को हासिल करने के लिए किसने संघर्ष किया और किसने पसीना बहाया. उनकी (शिवकुमार की) रणनीति और कार्यक्रम अब इतिहास है।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच में साजिश की आशंका भी शामिल

नई दिल्ली। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 के 12 जून को हुए हादसे की जांच अब साजिश (सबोटाज) की आशंका को भी ध्यान में रखते हुए की जा रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने रविवार को बताया कि ब्लैक बॉक्स भारत में ही जांचा जाएगा और इसे किसी विदेशी प्रयोगशाला में नहीं भेजा जाएगा। मोहोल ने कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) इस हादसे की हर एंगल से जांच कर रहा है। CCTV फुटेज, तकनीकी डेटा और संभावित मानवीय चूक की गहन पड़ताल हो रही है। घटना में 270 लोगों की मौत हुई थी, जिसमें 241 यात्री और 12 क्रू सदस्य शामिल थे। केवल एक यात्री जीवित बचा है। सरकार ने संयुक्त राष्ट्र की विमानन एजेंसी ICAO को जांच में ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल होने की अनुमति दी है। इससे पहले ICAO ने पारदर्शिता की अपील करते हुए इस हादसे की जांच में भागीदारी मांगी थी। भारत सरकार ने इसे स्वीकार कर विश्वस्तरीय जांच का संकेत दिया है। 13 जून से एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) की टीम जांच में जुटी है। मंत्री मोहोल ने बताया कि दुर्घटना के पीछे इंजन फेलियर, फ्यूल सप्लाई में गड़बड़ी या तकनीकी दोष में से कोई एक कारण हो सकता है। ब्लैक बॉक्स में मौजूद कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (CVR) और फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर (FDR) की जांच जारी है।

अमरनाथ यात्रा से पहले अलर्ट!

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले सुरक्षा बलों ने पूरे जम्मू कश्मीर को छावनी में बदल दिया है. जम्मू में पाकिस्तान से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स पाकिस्तान की हर नापाक गतिविधि पर नजर रख रही है. अमरनाथ यात्रा से पहले बीएसएफ ने जम्मू में पाकिस्तान से सटी करीब 200 किलोमीटर के अंतरराष्ट्रीय सीमा को सील कर दिया है. सीमा के साथ हुई तारबंदी के पास जहां बीएसएफ के जवान और उपकरण 24 घंटे पाकिस्तान की हर नापाक हरकत पर नजर रखे हुए हैं, वहीं सीमा के साथ लगते हुए इलाकों में बीएसएफ व्यापक सर्च ऑपरेशन चला रही है. सूत्रों की मानें तो पाकिस्तान अमरनाथ यात्रा के दौरान सीमा पार से यात्रा में खलल डालने के मकसद से आतंकी या फिर ड्रोन से हथियार भेज सकता है. सुरक्षा एजेंसी के इस अलर्ट के बाद सीमा के चारों ओर ना केवल गश्त बढ़ाई गई।

ईरान जल्द बना लेगा परमाणु बम

ट्रंप के सबकुछ तबाह करने के दावे के बीच IAEA की चेतावनी

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के चीफ राफेल ग्रॉसी ने रविवार (29 जून, 2025) को बताया कि ईरान कुछ महीनों में एनरिच्ड यूरेनियम का उत्पादन कर सकता है. इससे इस बात पर संदेह पैदा हो गया है कि तेहरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के लिए अमेरिकी हमले प्रभावी रहे हैं.

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि उनके हमलों ने ईरान के प्रमुख परमाणु स्थलों को नष्ट कर दिया है, हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि अगर तेहरान चिंताजनक स्तर तक यूरेनियम का संवर्धन करता है तो वह ईरान पर फिर से बमबारी करने पर विचार करेंगे.

'कोई यह दावा नहीं कर सकता कि सब कुछ खत्म हो गया'

ग्रॉसी ने सीबीएस न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि उनके (ईरान के) पास जो क्षमताएं हैं, वे वहां हैं. आप जानते हैं कुछ ही महीनों में, मैं कहूंगा कि वे सेंट्रीफ्यूज के कुछ कैस्केड घुमाकर एनरिच यूरेनियम का उत्पादन कर सकते हैं, या उससे भी कम. उन्होंने आगे कहा कि सच कहूं तो कोई यह दावा नहीं कर सकता कि सब कुछ गायब हो गया है और वहां कुछ भी नहीं है. मार्गरेट ब्रेनन के साथ रविवार को प्रसारित होने वाले फेस द नेशन शो में उन्होंने कहा कि वो तेहरान के परमाणु हथियार विकसित करने की किसी भी संभावना को खत्म करना चाहता थे. अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के प्रमुख ग्रॉसी ने कहा कि फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान में साइटों पर हमलों ने ईरान की यूरेनियम को परिवर्तित करने और समृद्ध करने की क्षमता को काफी हद तक पीछे धकेल दिया है. ग्रॉसी से उन रिपोर्टों के बारे में भी पूछा गया जिनमें कहा गया था कि ईरान ने अमेरिकी हमलों से पहले अपने अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम के भंडार को स्थानांतरित कर दिया था. इस पर जवाब देते हुए ग्रॉसी ने कहा कि हो सकता है कि हमले के दौरान कुछ को नष्ट कर दिया गया हो, लेकिन कुछ को स्थानांतरित भी किया गया हो।

दूसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया में होंगे बड़े बदलाव, बुमराह-शार्दूल होंगे बाहर

नई दिल्ली। भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज का दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा. लीड्स टेस्ट में 5 विकेट से हार के बाद हार का ठीकरा विशेष रूप से गेंदबाजी पर फोड़ा गया था. खासतौर पर चौथी पारी में भारतीय गेंदबाजी की पोल तब खुल गई, जब वो 371 रनों के विशाल लक्ष्य को भी डिफेंड नहीं कर पाए. अब खबर है कि बर्मिंघम टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी लाइन-अप में तीन बड़े बदलाव हो सकते हैं.

अर्शदीप को मिल सकती है जगह

क्रिकब्लॉगर में छपी रिपोर्ट की मानें तो जसप्रीत बुमराह दूसरा टेस्ट नहीं खेलेंगे. उनकी जगह अर्शदीप सिंह को प्लेइंग इलेवन में रखा जा सकता है. बता दें कि अर्शदीप ने अब तक अपना टेस्ट डेब्यू नहीं किया है, लेकिन काउंटी चैंपियनशिप की वजह से इंग्लैंड में खेलने का अनुभव प्राप्त कर चुके हैं. अर्शदीप को नेट्स में नई और पुरानी गेंद से भी अभ्यास करते देखा गया है. चूंकि दोनों तरफ स्विंग करवाना अर्शदीप की ताकत है, इसलिए इंग्लैंड की परिस्थितियों में दूसरे टेस्ट के लिए उनका चयन कोई चौंकाने वाली बात नहीं होगी. खबरों की मानें तो प्रसिद्ध कृष्णा भी हल्की चोट से जूझ रहे हैं, वो अगर समय रहते फिट नहीं हो पाए तो आकाशदीप भी प्लेइंग इलेवन में चुने जा सकते हैं. शार्दुल ठाकुर का भी प्लेइंग इलेवन से पत्ता साफ हो सकता है, जिन्होंने पहले टेस्ट में दोनों पारियों में मिलाकर सिर्फ 5 रन बनाए और केवल 2 विकेट लिए थे. उनकी जगह स्पिनर कुलदीप यादव को खिलाया जा सकता है. पहले टेस्ट में करुण नायर और साई सुदर्शन दोनों पारियों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे. इसके बावजूद माना जा रहा है कि उन्हें दूसरे टेस्ट से बाहर नहीं बैठाया जाएगा. नायर ने दोनों पारियों में 20 रन और सुदर्शन ने सिर्फ 30 रन बनाए थे.

गिल को कप्तान के तौर पर तीन साल मिलने चाहिएः शास्त्री

नई दिल्ली। शुभमन गिल का बतौर टेस्ट कप्तान सफर एक हार के साथ शुरू हुआ है. लीड्स टेस्ट में भारतीय टीम जीत की ओर अग्रसर थी, लेकिन खराब फील्डिंग और निरंतर विकेट ना ले पाना टीम की हार के मुख्य कारण रहे. अब दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाना है. इस बीच भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने शुभमन गिल के सामने डेडलाइन रख दी है कि उन्हें कितने समय में खुद को साबित करना होगा. शास्त्री ने कहा कि गिल का खेलने का अंदाज उन्हें एक महान खिलाड़ी बनाएगा.

विजडन से वार्ता के दौरान रवि शास्त्री ने कहा, "गिल अगर बहुत आगे तक नहीं जा पाते हैं तो मुझे निराशा होगी. सुस्त, आलसीपन और शान से भरे गिल जब बैटिंग कर रहे होते हैं तो उनका शानदार अंदाज दिखाई पड़ता है. वो अगर अनुभव से सीख पाए और परिस्थितियों में ढल पाए, तो मुझे लगता है कि वो बहुत आगे तक जाएंगे."

गिल के लिए डेडलाइन

रवि शास्त्री ने कहा कि शुभमन गिल को खुद को कप्तान के तौर पर साबित करने के लिए तीन साल मिलने चाहिए. सीरीज में क्या होता है, उस आधार पर बदलाव नहीं होने चाहिए. शास्त्री का मानना है कि टीम मैनेजमेंट को गिल को 3 साल तक पूरा सपोर्ट देना चाहिए और उन्हें लगता है कि गिल सबकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे. इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम चाहे पहला टेस्ट हार गई हो, लेकिन कप्तान गिल अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन में सुधार लेकर आए हैं. पहलीपारी में उन्होंने दबाव में 147 रनों की दमदार पारी खेली थी. वहीं पांचवें दिन केएल राहुल फील्डिंग सेट करते दिखे थे, जो दर्शाता है कि गिल टीम के सीनियर खिलाड़ियों से अभी बहुत कुछ सीख रहे हैं.

खलील की चमकी किस्मत काउंटी में मचाएंगे धमाल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज खलील अहमद इंग्लैंड में खेलते दिखेंगे. खलील आईपीएल

2025 में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम का हिस्सा थे. खलील अहमद ने इंडिया-ए के लिए खेलते हुए इंग्लैंड में घातक गेंदबाजी की थी. वह भारत के लिए 11 वनडे और 18 टी20 मैच खेल चुके हैं. खलील को काउंटी टीम एसेक्स ने साइन किया है. तेज गेंदबाज खलील अहमद ने 2025 सीजन के अंत तक काउंटी चैंपियनशिप और वनडे कप मैच खेलने के लिए एसेक्स के साथ डील साइन की है. 27 साल के खलील अहमद मई के अंत से इंग्लैंड में हैं, वह इंडिया-ए के लिए खेले थे. उन्होंने नॉर्थम्प्टन में पहले मैच में जेम्स रेव, जॉर्ज हिल, क्रिस वोक्स और एसेक्स में अपने साथी जॉर्डन कॉक्स को आउट किया था. खलील अहमद ने शनिवार को क्लब द्वारा जारी एक बयान में कहा, "मैंने क्लब के इतिहास के बारे में बहुत कुछ सुना है. मैं इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं और तत्काल प्रभाव डालने की कोशिश करूंगा।

क्रेडिट स्कोर को दुरुस्त करेंगी ये आदतें

नई दिल्ली। अगर आप किसी भी बैंक या फाइनेंशियल संस्था से लोन लेना चाहते हैं, तो क्रेडिट स्कोर आपकी पहली पहचान होता है. बैंक इसी स्कोर के आधार पर तय करते हैं कि आपको लोन देना है या नहीं और अगर देना है तो किन शर्तों पर. जिन लोगों का क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है, उन्हें न सिर्फ लोन आसानी से मिलता है, बल्कि कम ब्याज दर और तेज़ प्रोसेसिंग जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं. अगर आपका स्कोर कम है, तो परेशान मत होइए, कुछ सही फैसलों और थोड़ी सतर्कता से आप इसे बेहतर बना सकते हैं. लेकिन ध्यान रहे, यह एक रात में नहीं होता, इसलिए जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, उतना ही अच्छा रहेगा.

रिपोर्ट में गलतियों को ठीक करवाएं

सबसे पहला कदम है, अपनी क्रेडिट रिपोर्ट ध्यान से जांचना. कई बार कुछ ऐसी एंट्रीज़ होती हैं जो गलत होती हैं, जैसे कोई भुगतान 'पेंडिंग' दिखाया गया हो जबकि आपने वो चुका दिया हो. ऐसी गलतियों को तुरंत सुधरवाना चाहिए.

क्रेडिट उपयोग कम रखें

अगर आपकी कुल क्रेडिट लिमिट 20 लाख है, तो कोशिश करें कि उसका 30 फीसदी यानी 6 लाख से ज़्यादा इस्तेमाल न करें. इससे आप एक जिम्मेदार उधारकर्ता के रूप में दिखते हैं. जरूरत हो तो एक से ज्यादा क्रेडिट कार्ड रखें, ताकि एक कार्ड पर लोड ज़्यादा न हो.

हेल्दी क्रेडिट मिक्स बनाएं

केवल एक ही तरह के कर्ज़ (जैसे सिर्फ पर्सनल लोन या सिर्फ क्रेडिट कार्ड) की बजाय, अलग-अलग टाइप के कर्ज़ का संतुलन बनाएं. जैसे – एक क्रेडिट कार्ड, एक पर्सनल लोन और एक ऑटो लोन. इससे आपकी फाइनेंशियल प्रोफाइल मज़बूत बनती है. हालांकि, ज़रूरत से ज्यादा कर्ज़ लेने की कोशिश न करें. बस ऐसा बैलेंस रखें जिससे क्रेडिट स्कोर को फायदा हो. किसी भी EMI या कार्ड पेमेंट की एक भी लेट फीस या डिफॉल्ट से स्कोर में गिरावट आ सकती है।

1 जुलाई से UPI पेमेंट नियम में बदलाव

नई दिल्ली। 1 जुलाई 2025 से भारत में कई अहम वित्तीय नियमों में बदलाव होने जा रहा है, जिनका असर आम आदमी से लेकर बिज़नेस तक सभी पर पड़ेगा. इनमें UPI पेमेंट, PAN कार्ड आवेदन, Tatkal ट्रेन टिकट बुकिंग, GST रिटर्न और HDFC बैंक के क्रेडिट कार्ड जैसे पहलू शामिल हैं. सरकार और संस्थाएं इन नियमों को लागू करके प्रक्रियाओं को और ज्यादा पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाना चाहती हैं. अब तक अगर किसी ट्रांजैक्शन पर चार्जबैक का क्लेम रिजेक्ट हो जाता था, तो बैंक को नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) से अनुमति लेकर उस केस को दोबारा प्रोसेस करवाना पड़ता था. लेकिन 20 जून 2025 को घोषित नए नियम के मुताबिक, बैंक अब खुद ही सही चार्जबैक क्लेम्स को दोबारा प्रोसेस कर सकते हैं, इसके लिए उन्हें NPCI की मंजूरी का इंतजार नहीं करना होगा. इससे उपभोक्ताओं को ज्यादा तेज और प्रभावी समाधान मिलेगा.

Nvidia बनी दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी

नई दिल्ली। सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी Nvidia के शेयरों में बुधवार को गजब का उछाल आया. इस दिन कंपनी के शेयर में 4 परसेंट से अधिक की तेजी रही, जिससे इसका मार्केट कैप बढ़कर 3.763 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया. इसी के साथ Nvidia, Microsoft को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई. 3.658 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी है. कारोबार के दौरान 4.33 परसेंट की बढ़त के साथ एनवीडिया के शेयर ने 154.10 डॉलर के नए रिकॉर्ड हाई लेवल को छू लिया. एनवीडिया के शेयरों में यह तेजी लूप कैपिटल की रिपोर्ट के बाद आई, जिसने कंपनी के शेयरों पर टारगेट प्राइस को 175 डॉलर से बढ़ाकर 250 डॉलर कर दिया।

क्या लीगल नहीं था सूर्यकुमार यादव का कैच?

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने हाल ही में कई सारे नियमों में बदलाव किया है. स्टॉप क्लॉक से लेकर सलाइवा के इस्तेमाल और DRS पर भी नियमों में बदलाव हुआ है. इसी बीच बाउंड्री पर लिए जाने वाले कैचों के रूल में भी सख्ती की गई है. दरअसल बाउंड्री के बाहर जाकर गेंद को उछाल कर कैच लपकने वाले नियम पर सख्ती की गई है. आज ही के दिन पिछले साल भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 7 रनों से हराकर 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीता था. उस मैच में सूर्यकुमार यादव ने भी बाउंड्री के पास कैच लपका था. क्या नए नियमों के तहत सूर्या का कैच अवैध था, यहां समझिए पूरा मामला. आईसीसी का नया नियम कहता है कि कोई फील्डर बाउंड्री के पार जाकर गेंद को हवा में रहते हुए सिर्फ एक बार छू सकता है. कैच तभी पूरा माना जाएगा जब फील्डर बाउंड्री के भीतर आकर कैच लपके. जबकि पुराना नियम कहता है कि कोई फील्डर बाउंड्री के पार जाकर कई बार हवा में रहते हुए गेंद को छू सकता था.

29 जून, 2024 को खेले गए भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में दक्षिण अफ्रीका को आखिरी ओवर में 7 रन बनाने थे. डेविड मिलर क्रीज पर सेट हो चुके थे, इसलिए उन्होंने भारतीय फैंस की दिल की धड़कनें बढ़ाई हुई थीं. मगर ओवर की पहली ही गेंद पर मिलर ने हवाई शॉट लगाया, लेकिन सूर्यकुमार यादव ने बाउंड्री के पास भागते हुए कैच लपका था. सूर्यकुमार यादव ने भागते हुए बाउंड्री के भीतर रहकर गेंद को हवा में उछाल दिया था और दोबारा बाउंड्री के अंदर आने के बाद कैच पूरा किया था. सूर्या ने बाउंड्री के पार जाकर गेंद को एक बार भी नहीं छुआ, जबकि ICC का नया नियम बाउंड्री के बाहर फील्डर को हवा में रहकर एक बार गेंद को छूने की इजाजत देता है. इसलिए सूर्यकुमार यादव का कैच पूरी तरह क्लीन था.

साप्ताहिक शहर सत्ता

3 महीने का राशन वितरण बनाम अव्यवस्था की हकीकत

साय सरकार का फैसला: एक साथ 3 महीने का राशन

छत्तीसगढ़ सरकार ने मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी राशन कार्डधारियों को एक साथ तीन महीने का राशन देने की योजना लागू की है। सरकारी दलील है कि बरसात के मौसम में लोगों को बार-बार राशन दुकानों के चक्कर न काटने पड़े, इसलिए यह निर्णय लिया गया है। कई जिलों में यह वितरण प्रारंभ हो चुका है, जबकि कुछ स्थानों पर अभी वितरण चल रहा है। लेकिन जैसे-जैसे जून महीने का अंत नज़दीक आ रहा है, कई क्षेत्रों से शिकायतें आने लगी हैं कि अब भी बड़ी संख्या में लोगों को उनका राशन नहीं मिला है।

ग्राउंड रिपोर्ट: क्या कहती हैं पीडीएस दुकानों से मिल रही शिकायतें?

कई पीडीएस दुकानों पर सर्वर डाउन, राशन स्टॉक की कमी, दुकानदारों को पर्याप्त कोटा न मिलना, और कार्डधारियों को वापस लौटाए जाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। इससे यह सवाल खड़ा होता है कि क्या सरकार तय समय-सीमा में सभी हितग्राहियों को पूरा और बराबर राशन उपलब्ध करा पाएगी? या फिर यह योजना भी दावों और हकीकत के बीच फंसी एक और सरकारी कवायद बनकर रह जाएगी?

कांग्रेस का आरोप: यह योजना कागजों में ही है, जमीनी हकीकत अव्यवस्था है

कांग्रेस ने इस योजना को लेकर राज्य सरकार पर सीधा हमला बोला है। कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा: "3 महीने का राशन देने का दावा केवल प्रचार मात्र है। हकीकत यह है कि लोग राशन दुकानों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें राशन नहीं मिल रहा। जिन दुकानों में गोदाम छोटे हैं, वहां पर्याप्त राशन स्टोर नहीं किया जा सका है। कई दुकानों में सर्वर काम नहीं कर रहा है।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि: "सरकार सेंट्रल पूल में जमा बचे हुए चावल का निपटान करने के लिए जल्दबाजी में यह वितरण कर रही है, लेकिन उसके लिए कोई स्पष्ट प्रणाली नहीं बनाई गई। इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है।" कांग्रेस का कहना है कि यह फैसला बिना तैयारी के लिया गया है और इसका सीधा असर जरूरतमंदों पर पड़ रहा है।

बीजेपी का जवाब: जनता की सुविधा के लिए लिया गया निर्णय

वहीं, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने कहा: "बरसात के मौसम में लोग परेशान न हों, इसीलिए सरकार ने 3 महीने का राशन एक साथ देने का फैसला लिया। इस योजना के तहत प्रदेश भर में वितरण जारी है। कुछेक जगहों पर थोड़ी बहुत अव्यवस्था हुई हो, लेकिन उसे तुरंत दूर किया जा रहा है।"भाजपा का यह भी तर्क है कि सरकार ने व्यापक स्तर पर तैयारियां की थीं और अधिकांश कार्डधारियों को राशन मिल चुका है। "यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। अगर कुछ जगहें छूट गई हैं, तो वहां भी जल्द सुधार किया जाएगा। योजना का उद्देश्य पूरी तरह जनहित में है।"

14 जुलाई से शुरू होगा छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र

विधायकों ने लगाए 1000 से अधिक सवाल, विपक्ष-सत्ता पक्ष दोनों पूछेंगे जवाब

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 14 जुलाई से शुरू होने जा रहा है, जो पांच दिनों तक चलेगा। इस सत्र में सियासी हलचल, आरोप-प्रत्यारोप और तीखी बहसों के आसार हैं। अब तक विधानसभा सचिवालय को एक हजार से अधिक सवाल प्राप्त हो चुके हैं। इनमें कानून-व्यवस्था, योजनाओं में भ्रष्टाचार, शासकीय कार्यों में लापरवाही, जनसमस्याएं और योजनाओं की विफलता जैसे मुद्दे प्रमुख हैं। खास बात यह है कि सिर्फ विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष के विधायक भी सरकार से जवाब मांग रहे हैं, जिससे यह सत्र और भी अधिक संवादात्मक और चुनौतीपूर्ण होने की संभावना है।

कांग्रेस के तेवर सख्त, सदन से सड़क तक विरोध की तैयारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने साफ किया है कि कांग्रेस इस सत्र में अवैध रेत खनन, वन कटाई, कानून-व्यवस्था और बिलासपुर में पटवारी आत्महत्या जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरेगी। बैज ने कहा, "हम सड़क से लेकर सदन तक सरकार की नीतियों का विरोध करेंगे।" कांग्रेस का रुख सत्र के दौरान आक्रामक विपक्ष की भूमिका में रहने का है, और पार्टी ने मुद्दों की सूची के साथ अपनी तैयारी पूरी कर ली है।

खरगे के दौरे को लेकर गरमाई सियासत

सत्र से पहले ही राज्य की राजनीति में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रस्तावित छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य खरगे का स्वागत नहीं करेगा, क्योंकि "उन्होंने सनातन धर्म का अपमान किया है।" इसके जवाब में बैज ने तीखा पलटवार करते हुए कहा, "जब सीएम के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने मुख्यमंत्री साय, योगी आदित्यनाथ और यूपी भाजपा अध्यक्ष को 'ब्रह्मा, विष्णु, महेश' कहा था, तब भाजपा चुप क्यों रही?" बैज ने भाजपा पर धर्म के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए धार्मिक विमर्श का सहारा लेती है।

बाइक बोट स्कीम से देशभर में ठगी, रायपुर में भी जांच तेज

रायपुर। देशभर में हजारों लोगों को एक झूठे निवेश मॉडल के जाल में फंसाकर अरबों की ठगी करने वाले 'बाइक बोट स्कीम' के मुख्य आरोपियों से अब रायपुर पुलिस भी पूछताछ कर रही है। राजस्थान की जेल में बंद तीन आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर रायपुर लाकर सिविल लाइन थाने में पूछताछ की जा रही है। यह मामला 2019 से रायपुर में दर्ज है, जहां निवासी अखिल कुमार बिसोई ने अपने साथ हुई धोखाधड़ी की शिकायत दी थी। मामले में उत्तरप्रदेश की कंपनी गर्वित इनोवेटिव प्रमोटर्स लिमिटेड (GIPL) के डायरेक्टर संजय भाटी, सचिन भाटी सहित अन्य पर ठगी का आरोप है।

क्या थी 'बाइक बोट स्कीम'?

2018 में लॉन्च इस स्कीम में लोगों को बताया गया कि वे बाइक टैक्सी में निवेश कर सकते हैं। निवेश राशि: ₹62,100 प्रति बाइक। वादा: हर महीने ₹9,765 की कमाई। मॉडल: एक साल में निवेश की रकम वसूलने का लालच। लगभग डेढ़ लाख लोगों ने करोड़ों रुपए इस स्कीम में लगाए। एक साल तक पैसा मिला, फिर किश्तें बंद हुईं। जब लोगों को धोखाधड़ी का अहसास हुआ, तब तक कंपनी फरार हो चुकी थी।

गिरफ्तार आरोपी

संजय भाटी (51), ग्रेटर नोएडा – मास्टरमाइंड, केमिकल इंजीनियर, करणपाल सिंह (57), मेरठ, राजेश भारद्वाज (58), बुलंदशहर, इन सभी को राजस्थान पुलिस ने भरतपुर से पकड़ा था, अब रायपुर पुलिस ने ट्रांजिट पर लाकर पूछताछ शुरू की है। CBI ने अपनी FIR में घोटाले को 15 हजार करोड़ रुपए का बताया है। ED ने 216 करोड़ की संपत्ति अटैच की है।

30 जून को सीएस अमिताभ की विदाई, सुब्रत के नाम की चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नए मुख्य सचिव के ऐलान के साथ ही मौजूदा मुख्य सचिव अमिताभ जैन की विदाई 30 जून को होगी. इसी दिन साय कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है. कैबिनेट बैठक में ही मुख्य सचिव अमिताभ जैन को विदाई दी जाएगी. इससे पहले फरवरी 2014 में तत्कालीन रमन सरकार ने तब के मुख्य सचिव रहे सुनील कुमार को इस तरह की एक कैबिनेट बैठक में विदाई दी थी. कैबिनेट ने सुनील कुमार के कामकाज को सराहा गया था. बैठक खत्म होने के बाद सुनील कुमार अपने कक्ष में आए और अपना सामान लेकर मंत्रालय से निकल गए. कहा जा रहा है कि साय कैबिनेट के लिए सचिवों से एजेंडा बुलाया गया है, लेकिन इस बैठक में शामिल होने वाले तमाम एजेंडों के बीच सबसे बड़ा मुद्दा अमिताभ जैन को सम्मानजनक विदाई देना भी है. 30 जून को अमिताभ जैन का कार्यकाल खत्म हो रहा है. नए मुख्य सचिव के नाम को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है, लेकिन सरकार ने अब तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

NSUI की बैठक में PCC चीफ दीपक बैज का फोन चोरी

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) की छत्तीसगढ़ राज्य कार्यकारिणी की बैठक रविवार को राजधानी रायपुर के राजीव भवन में आयोजित की गई। इस बैठक में शामिल होने पहुंचे प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) अध्यक्ष दीपक बैज का iPhone चोरी हो गया। घटना के बाद मौके पर खम्हारडीह थाना पुलिस और साइबर सेल की टीम पहुंचकर जांच में जुटी हुई है। बैठक के बाद बाहर निकलते समय दीपक बैज ने बताया, "फोन मीटिंग के बाद कहीं रह गया या किसी के हाथ लग गया, ये अभी स्पष्ट नहीं है। फोन में कोई गोपनीय जानकारी नहीं थी, लेकिन गांव से लेकर दिल्ली तक के कई जरूरी संपर्क नंबर उसमें सेव थे। अब उन सबको फिर से जुटाना होगा, बस इसी बात की चिंता है।" उन्होंने यह भी कहा कि हो सकता है फोन किसी के हाथ लगा हो और वह जानबूझकर उसे ऑन-ऑफ कर रहा हो। "राजीव भवन ही नहीं, बल्कि पूरा प्रदेश सुरक्षित नहीं है", यह कहते हुए बैज ने इशारों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि "कार्यकर्ताओं में से किसी पर शक नहीं है, पर कोई संदिग्ध व्यक्ति भीड़ में शामिल हो गया हो, यह संभावना जरूर है।"

बोले- फोन से ज्यादा चिंता कांटेक्ट की, पुलिस और साइबर टीम जांच में जुटी

संगठनात्मक मुद्दों से लेकर राष्ट्रीय कार्यक्रम तक पर हुई चर्चा

NSUI की इस बैठक में छात्र संगठन की आगामी रणनीति, संगठनात्मक मजबूती, छात्रहित से जुड़े मुद्दों, और आने वाले आंदोलनों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। विशेष चर्चा आगामी 7 जुलाई को रायपुर में आयोजित कांग्रेस की "किसान-जवान-संविधान जनसभा" को लेकर हुई। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का छत्तीसगढ़ दौरा प्रस्तावित है।

बिहान योजना से ग्रामीण महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

टेंट-साउंड संचालन, सिलाई सेंटर और स्थानीय उत्पादों से बदल रही जीवन की दिशा

रायपुर। शासन की बिहान योजना के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार सार्थक प्रयास हो रहे हैं। जिले की महिलाएं अब न केवल अपने परिवार का सहारा बन रही हैं, बल्कि समाज में प्रेरणा स्रोत के रूप में उभर रही हैं। कुदरगढ़ की दीदियों की सशक्त पहल-टेंट-साउंड एवं बर्तन सेवा से आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं। सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत कुदरगढ़, जनपद पंचायत ओड़गी की सरस्वती आजीविका महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों ने सामूहिक रूप से टेंट, बर्तन एवं साउंड सिस्टम सेवा की शुरुआत कर एक नई मिसाल कायम की है। समूह का गठन 27 अगस्त 2019 को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत किया गया था। शासन से उन्हें 15,000 रुपये की रिवॉल्विंग फंड और 60,000 (साठ हजार रुपये) की सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, बैंक लिंकेज के माध्यम से 3,00,000 का ऋण भी प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहयोग से समूह की 6 सदस्यों ने व्यवसाय की शुरुआत की, जो अब गांव एवं आस-पास के क्षेत्रों में शादी-विवाह, मेले एवं सामाजिक आयोजनों में सेवा प्रदान कर रहा है। विगत एक वर्ष में इस समूह ने लगभग 3,00,000 की आय अर्जित की, जिससे ये महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं।

सिलाई सेंटर से बनीं "लखपति दीदी"

ग्राम पंचायत खर्रा, विकासखंड ओड़गी की श्रीमती प्रीति गुर्जर ने बिहान योजना के माध्यम से अपने जीवन की दिशा ही बदल दी है। वे वर्ष 2014 से प्रीति महिला स्व सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। वर्ष 2015 में उन्हें 15,000 की रिवॉल्विंग फंड राशि मिली, जिसमें से 5,000 लेकर उन्होंने पहली सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई का काम शुरू किया। इसके बाद सीआईएफ के अंतर्गत मिले 60,000 में से उन्होंने 10,000 लेकर दो और मशीनें खरीदीं। वर्ष 2016 में समूह को 1,20,000 का बैंक लोन प्राप्त हुआ।

फैंसी स्टोर से सजे वेदकुमारी के सपने घर की आर्थिक स्थिति हुई मजबूत

शहर सत्ता/रायपुर। आत्मनिर्भर भारत में महिलाएं आज हर क्षेत्र में पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रहीं हैं और आत्मनिर्भर बन रहीं हैं। ऐसी ही आत्मनिर्भरता से अपने घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाईं हैं, धमतरी विकासखंड के ग्राम पंचायत सोरम की श्रीमती वेदकुमारी साहू ने। वेदकुमारी कहतीं हैं कि "सपनों की दुकान जब हिम्मत से सजे, तो जिंदगी खुद ब खुद खूबसूरत हो जाती है। वे बतातीं हैं कि वे एम.ए. तक पढ़ीं हैं और अपने पति के साथ मनरेगा मजदूरी का काम कर रहीं थीं। मजदूरी करते-करते ही उनके मन में व्यवसाय करने की इच्छा हुई। तब वेदकुमारी को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन "बिहान" की जानकारी मिली और वे जय मां दुर्गा महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ गईं। इसके बाद सार्थक महिला क्लस्टर संगठन रुद्री के माध्यम से फैंसी स्टोर संचालन के लिए व्यक्तिगत ऋण के तौर पर ढाई लाख रुपए और बैंक लिंकेज ऋण आठ लाख रुपए भी लिया। इस राशि से उन्होंने गांव में नवजागरण चौक के पास फैंसी स्टोर शुरू किया। इस फैंसी स्टोर में चूड़ियां, बिंदी, क्रीम, पाउडर, मेंहदी, सिंदूर, हेयर क्लिप, आर्टिफिशियल गहने, पर्स, उपहार सामग्री आदि बेचने लगीं। श्रीमती वेदकुमारी त्यौहारों के समय में फैंसी सामग्रियों में विशेष छूट देती हैं और त्यौहार के अनुरूप सजावट के साथ बेचतीं हैं, जिससे उनकी बिक्री दोगुनी हो जाती है। अब उनकी फैंसी दुकान स्थानीय महिलाओं की पहली पसंद बन चुकी है। इससे वेदकुमारी को हर महीने 10 से 12 हजार रूपए की शुद्ध आमदनी मिलने लगीं।

कलेक्टर के निर्देश पर बरसात के पूर्व डेंगू सतर्कता अभियान

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया। बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका को देखते हुए रायपुर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि जिले में मितानिनों, ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति और समुदाय की भागीदारी से "सोर्स रिडक्शन" गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसके तहत कूलर, टंकी, टायर, फूलदान, फ्रिज ट्रे आदि में जमा पानी हटाया जा रहा है, और जरूरत पड़ने पर टेमीफास लार्वीसाइड का छिड़काव किया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. विमल किशोर राय ने कहा कि डेंगू की रोकथाम घर से ही शुरू होती है। जनसामान्य से अपील है कि सप्ताह में कम से कम 10 मिनट निकालकर अपने घरों को मच्छर मुक्त बनाएं।

जांच में मिली पांच कृषि केंद्र को नोटिस

शहर सत्ता/रायपुर। बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिले में संचालित कृषि आदान विक्रय केंद्रों का लगातार जांच जारी है। उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक के नेतृत्व में निरीक्षकों के द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड में संचालित विक्रय केंद्रों का लगातार निरीक्षण कर अनियमितता पर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार क़ो निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 5 कृषि केंद्रों क़ो कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पलारी विकासखंड के ग्राम भवानीपुर में संचालित पटेल कृषि सेवा केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रय केंद्र में निर्धारित प्रपत्र स्कंध पंजी का संधारण नहीं पाया गया। ग्राम वटगन के चंद्राकर कृषि केंद्र एवं अमेरा के शिवराम कृषि केंद्र का भी निरीक्षण किया गया। इसी तरह बलौदा बाजार विकासखंड के निरीक्षक लोकनाथ दिवान एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी जयइंद्र कंवर द्वारा अंगार मोती कृषि केंद्र, सोनपुरी का निरीक्षण किया गया निरीक्षण में बीज स्कंध एवं मूल्य सूची प्रदर्शित एवं स्कंध पंजी संधारित नहीं था, कीटनाशक का भी स्कंध एवं मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं किया गया था। ग्राम लटूआ के दीपक कृषि केंद्र का निरीक्षण किया गया।

कलेक्टर ने दिया पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने निर्देश

शहर सत्ता/रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की कार्यप्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि सीमांकन, त्रुटि सुधार, अविवादित नामांतरण, पात्र खसरे का बटांकन जैसे प्रकरणों को प्राथमिकता में लेकर त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी प्रकरण राजस्व कार्यालयों में अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए। कलेक्टर ने आरसीसी (राजस्व न्यायालय) और पंचायत स्तर के प्रकरणों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को इनका शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि "राजस्व प्रकरणों का त्वरित समाधान आम जनता को राहत पहुंचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है, यह शासन की प्राथमिकता है।"

कलेक्टर डॉ. सिंह ने जिला स्तरीय कॉल सेंटर, हेल्पलाइन, जनदर्शन में लंबित मामलों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को इनके शीघ्र निराकरण हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, डीएफओ श्री लोकनाथ पटेल, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, श्रीमती निधि साहू, उमाशंकर बंदे, सुश्री अभिलाषा पैकरा, मनीष मिश्रा, एडीएम देवेंद्र पटेल, एएसपी लखन पटले सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अग्निशमन विभाग में 295 पदों पर 1 जुलाई से आवेदन

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर नगर सेना एवं अग्निशमन विभाग में रिक्त 295 विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवेदन ऑनलाइन लिए जाएंगे। महानिदेशक, नगर सेना एवं अग्निशमन विभाग ने बताया कि आवेदन लेने का काम 1 जुलाई 2025 से शुरू होगा जो कि अंतिम तिथि 31 जुलाई तक चलेगा। इसके बाद 10 अगस्त तक दाखिल किए गये आवेदन में त्रुटि सुधार किए जा सकते हैं।

इच्छुक व्यक्ति विभाग की वेबसाइट-सीजीएचईड डॉट जीओव्ही डॉट इन के जरिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि रिक्त पदों में स्टेशन ऑफिसर के 21 पद, वाहन चालक के 14 पद, वाहन चालक-कम-ऑपरेटर के 86 पद, फायरमैन के 117 पद, स्टोर कीपर के 32 पद, मैकेनिक के 2 पद, वाचरूम ऑपरेटर के 19 पद और वायरलेस ऑपरेटर संविदा के 4 पद शामिल हैं। उन्होंने विस्तृत जानकारी एवं अन्य संशोधन सूचना के लिए विभागीय वेबसाइट का अवलोकन करते रहने की सलाह दी है।

भेलवाडाड़ में पहाड़ी कोरवा परिवारों को मिला पक्का मकान, जीवन में आई स्थिरता

पीएम जनमन योजना से संवर गया पहाड़ी कोरवा का भविष्य

शहर सत्ता/रायपुर। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के दूरस्थ वन क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत बकोई के आश्रित ग्राम भेलवाडांड में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति के 16 पहाड़ी कोरवा परिवारों का पक्का मकान बनकर तैयार हो चुका है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत इन सभी परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लाभ मिला है, जिससे उनका जीवन अब अधिक सुरक्षित और स्थिर हुआ है। पहले ये सभी परिवार जंगलों से लकड़ी, पत्तों और घास के सहारे झोपड़ीनुमा घरों में गुजर-बसर कर रहे थे। बरसात के मौसम में सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीवों का भय बना रहता था। लेकिन अब पक्के मकान में रहने से उन्हें न सिर्फ

मौसम की मार से राहत मिली है, बल्कि सुरक्षा और सम्मान का भी अनुभव हो रहा है। भेलवाडांड ग्राम, उदयपुर जनपद मुख्यालय से 40 किमी और जिला मुख्यालय अंबिकापुर से 80 किमी की दूरी पर स्थित है, वहां इन परिवारों को एक साथ कालोनी रूप में बसाया गया है। स्थानीय परिवेश और संस्कृति के अनुरूप विशेष डिज़ाइन और लेआउट तैयार कर यह कालोनी बनाई गई है, ताकि परिवार अपने समुदाय के बीच सहज महसूस कर सकें। प्रत्येक आवास में शौचालय की व्यवस्था की गई है। साथ ही बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। भेलवाड़ाड़ के पहाड़ी कोरवा परिवारों को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सुरक्षा बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, राशन कार्ड, श्रम कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता, महतारी वंदन योजना, नरेगा जॉब कार्ड, आदि योजनाओं से जोड़ा गया है।

काजोल बोलीं- हम अगर एक जैसे होते, तो कब के अलग हो जाते

शहर सत्ता/फ़िल्मी डेस्क। बॉलीवुड के लोकप्रिय कपल्स में से एक अजय देवगन और काजोल की शादी को 26 साल हो चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में काजोल ने बताया कि दोनों की शादी इतनी लंबी इसलिए चली क्योंकि दोनों एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। काजोल जल्द ही फिल्म 'मां' में नजर आएंगी। 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

काजोल ने एक इंटरव्यू में कहा, "अगर हम एक जैसे होते, तो इतने साल नहीं लगते, बहुत पहले अलग हो जाते।" काजोल ने कहा कि उनकी और अजय की सोच और एनर्जी में फर्क है। इसी से बैलेंस बना रहता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, "खुशहाल शादी का राज है कि थोड़ा बहरे हो जाना और कुछ बातें भूल जाना।" बता दें कि अजय और काजोल की पहली मुलाकात 1995 में हुई थी। 1997 में फिल्म इश्क के सेट पर दोनों करीब आए। फिर 1999 में शादी कर ली।

अजय और काजोल डेट नाइट्स नहीं करते

इंटरव्यू में काजोल ने कहा, "हम डेट नाइट नहीं करते। हमारे पास फैमिली टाइम ही होता है। या तो वो काम पर होते हैं या मैं ट्रैवल कर रही होती हूं। इसलिए जब भी समय मिलता है, घर पर ही सबके साथ वक्त बिताते हैं।" जब काजोल से पूछा गया कि क्या दोनों की बॉन्डिंग दोस्त जैसी है, तो उन्होंने कहा, "इतने साल हो गए शादी को, अब ब्लश तो नहीं कर सकती उनके बारे में बात करते हुए।"

भोजपुरी सुपरस्टार के घर से गहने और 30 कारतूस चोरी

शहर सत्ता/रायपुर। भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार पवन सिंह को आखिरकार कौन नहीं जानता। उन्होंने जब स्त्री 2' का गाना 'आई नहीं' गाया तो वो पूरे देश में सनसनी बन गए। अब उन्हीं एक्टर को लेकर एक बुरी खबर सामने आई है। पवन सिंह के आरा स्थित दूसरे घर में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। ये घटना 23 जून, रविवार की रात को हुई, जहां चोरों ने घर से करीब ₹15 लाख के गहने, 30 राइफल के कारतूस और 15,000 नकद चोरी कर लिए। घटना मजहौवा वार्ड नंबर 5 (नगरा थाना क्षेत्र) की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चोरों ने घर की खिड़की को पेचकस की मदद से तोड़कर अंदर घुसपैठ की। उस समय घर में पवन सिंह के सास-ससुर - कलावती देवी और सुनील कुमार सिंह मौजूद थे, जो एक अलग कमरे में सो रहे थे। सुबह जब उन्होंने दरवाजा नहीं खुला देखा, तो उन्हें शक हुआ और फिर जांच करने पर चोरी का पता चला। उन्होंने देखा कि खिड़की टूटी हुई है और अलमारी से कीमती सामान गायब है। घटना की खबर मिलते ही पवन सिंह के बड़े भाई रानू सिंह घर पहुंचे और नगरा थाने में एफआईआर दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि घर में रखी राइफल को चोर ले नहीं जा सके, ये राहत की बात है। भोजपुर पुलिस अधीक्षक (SP) को सूचना दी गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सुधांशु पांडे ने भी फेस किया कास्टिंग काउच

शहर सत्ता/रायपुर। अनुपमा के वनराज उर्फ़ सुधांशु पांडे का बड़ा खुलासा: करियर की शुरुआत में झेलनी पड़ी कास्टिंग काउच की पेशकश, बोले- 'मैं किसी की ego नहीं पालता' टीवी और फिल्मों में अपनी गहरी छाप छोड़ चुके अभिनेता सुधांशु पांडे इन दिनों रियलिटी शो The Traitors में नज़र आ रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दिनों की एक चौंकाने वाली घटना साझा की है, जब उन्हें कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था। उन्होंने युवाओं के लिए एक मजबूत संदेश भी दिया – "अपने आत्मसम्मान के लिए खड़े हों। कोई आपको मजबूर करे, तो विरोध ज़रूरी है।" सुधांशु ने साफ तौर पर कहा, "हां, मैंने कास्टिंग काउच फेस किया है। एक बहुत ही प्रसिद्ध फिल्ममेकर, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं – उन्होंने मुझे काम के बदले एक समझौते का ऑफर दिया था। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे, वो वाकई में बेहतरीन निर्देशक थे। लेकिन मैंने साफ मना कर दिया।

भोजपुरी फिल्म के 'बिग-बी' मनोज तिवारी की संघर्ष गाथा

शहर सत्ता/रायपुर। फ़िल्मी चकाचौंध में चमकता सितारा बनना इतना भी आसान नहीं। भोजपुरी फिल्मों से पहचान बनाने वाले मनोज तिवारी ने संघर्ष से कमाया नाम और तब कहलाए भोजपुरी के (बिग-बी) अमिताभ बच्चन। गायक से अभिनेता और फिर नेता बनने तक का सफर और सफलता से पहले संघर्ष की गाथा मनोज तिवारी ने बयान किया।

मनोज ने अपनी मेहनत से अपने दिन ऐसे फेरे कि आज उनके पास गाड़ी, बंगला, नाम, शोहरत सब है। लेकिन इसे हासिल करने से पहले उन्हें कभी भूख मिटाने के लिए भरपेट रोटी भी नसीब नहीं थी। स्कूल जाने के लिए कई-कई किलोमीटर पैदल चले। नाम बनाने की कोशिश में कभी दिल्ली-मुंबई के प्लेटफॉर्म पर रातें गुजारीं तो कभी जेब का वजन देख होटल से भूखे वापस लौटे।

उनके छह भाई-बहन थे। परवरिश में मां ने अथक परिश्रम किया है। मुझे मेरी मां में भगवान दिखता है। मेरी मां गोबर के उपले बनाती थी। वो गाय-भैंस से दूध खुद निकालती थी। बस पकड़ने के लिए चार-चार किलोमीटर पैदल चलती थी। उस वक्त हमारे लिए ट्रैक्टर सबसे बड़ा साधन होता था। ट्रैक्टर ट्रॉली में 20-25 लोग के साथ बैठकर 40 किलोमीटर तक की यात्रा करते थे। मैं स्कूल जाने के लिए चार-चार किलोमीटर पैदल चलता था और उस वक्त मैं भागता था। जब मैं दौड़ता तो लोग कहते थे कि वो देख मनोज दौड़ा रहा है। इतनी गरीबी थी कि साइकिल तक खरीद नहीं पाया कभी। हां, लेकिन जब मेरे दिन बहुरे, तब सीधे चार चक्का खरीदा।

कम उम्र में पिता का साया उठ गया

मैंने बहुत छोटी उम्र में पिताजी को खो दिया था। मेरे पिताजी शास्त्रीय संगीत के गायक थे, तो मैं उन्हें सुनाता था। पिताजी के रहते तो मुझे पता भी नहीं था कि मैं संगीत में जाऊंगा। मुझे इतना याद है कि पिताजी मुझे अपनी गोद में लेकर सोते थे।

घाट पर गाकर सिंगिंग करियर की शुरुआत की

मैं भले बिहार से हूं, लेकिन मेरा बनारस से भी उतना ही लगाव रहा है। जन्म बनारस में हुआ, पढ़ाई भी वहीं हुई। पढ़ाई के दौरान ही मैंने बनारस के घाटों पर गाना शुरू किया था। एक दिन हम 30-35 दोस्त अस्सी घाट पर पार्टी कर रहे थे। वहीं पास में पीएससी की टुकड़ी रहती थी। जब मैं गा रहा था, तब कुछ लोग डिस्टर्ब करने लगे। मेरे दोस्तों में से किसी एक ने सामने वाले बंदे को धक्का दे दिया। मेरे दोस्त ने जिसे धक्का दिया, वो पुलिस का डिप्टी एसपी था।

अनुपमा' का सेट जलकर खाक

शहर सत्ता/रायपुर। टीवी की दुनिया में सोमवार की सुबह एक बड़े झटके के साथ शुरू हुई, जब स्टार प्लस के सुपरहिट सीरियल 'अनुपमा' के सेट से भीषण आग लगने की खबर सामने आई। मुंबई स्थित इस पॉपुलर शो के स्टूडियो में आग ने ऐसा कहर बरपाया कि सेट पर मौजूद सारा सामान जलकर राख हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि मौके पर मौजूद सभी कलाकार और क्रू सुरक्षित रहे और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। शो के निर्माता राजन शाही ने इस घटना पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, "ये एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा था, लेकिन ईश्वर की कृपा से सभी लोग सुरक्षित हैं। हमने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी और आग पर समय रहते काबू पा लिया गया।" इस घटना के बाद फैंस सोशल मीडिया पर अपने पसंदीदा शो की टीम के लिए चिंता ज़ाहिर कर रहे हैं और शूटिंग के दोबारा शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

इंजीनियरिंग से एक्टिंग तक का सफर:विवेक चंद्रा

पूरन किरी/कला समीक्षक

कोरबा से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद विवेक चंद्रा ने भिलाई में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान नेहरू हाउस में थिएटर प्ले की तैयारी शुरू की। पढ़ाई के साथ-साथ रंगमंच के प्रति जुनून ने उन्हें एक अलग दिशा दी। प्रथम श्रेणी में इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करने के बाद उन्होंने अपने सपनों की उड़ान के लिए मुंबई का रुख किया।

मुंबई में कई टीवी सीरियल्स में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया, जहां निर्देशक अभिषेक सिंह ने उन्हें भरपूर मार्गदर्शन और सहयोग दिया। क्राइम पेट्रोल से उन्हें पहला ब्रेक मिला। इसके बाद एंड टीवी पर आने वाले धारावाहिक भीमराव अंबेडकर में उन्होंने ज़मींदार की भूमिका निभाई। स्टार भारत के लोकप्रिय धारावाहिक राधा-कृष्ण सहित कई सीरियल्स में उन्होंने अहम किरदार निभाए। फिल्मों की दुनिया में उनका पहला बड़ा कदम 2022 में सुंदरानी वीडियो वर्ल्ड की सुपरहिट फिल्म मिस्टर मज़नू से हुआ, जिसमें उन्होंने लीड विलेन का किरदार निभाया।

इसके बाद रक्षणम, ए दादा रे, और तही मोर आशिकी जैसी फिल्मों में लगातार काम करते रहे। कई म्यूज़िक एल्बम में भी उनकी दमदार मौजूदगी देखी गई। उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्हें निर्देशक सतीश जैन की बहुचर्चित फिल्म मोर छैंया भुइयाँ 3 में अभिनय का अवसर मिला। इस फिल्म को उन्होंने प्रशिक्षण की तरह लिया, जहाँ सतीश जैन सर के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की गहराइयों को महसूस किया।

इस दौरान उन्हें अलेक चौधरी, अमित शर्मा, सुनील साहू, भूपेंद्र चंदनिया, अशोक गौर और सलीम चाचा जैसे कलाकारों का भरपूर सहयोग मिला। विवेक चंद्रा को उम्मीद है कि आने वाले समय में उन्हें इस प्रोडक्शन हाउस के साथ और भी बेहतर काम करने का अवसर मिलेगा। उनके सफर से यह स्पष्ट होता है कि मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से किसी भी मंज़िल को पाया जा सकता है।

‘ब्लैक डायमंड’ पंचतत्व में विलीन...

सुमित यादव/प्रमुख संवाददाता
मो. 7987832355

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा से अमेरिका तक अपनी कविताओं से सबका दिल जितने वाले पद्मश्री से सम्मानित कवि डॉ. सुरेंद्र दुबे आज पंचतत्व में विलीन हो गए. मारवाड़ी शमशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया. अंतिम संस्कार में राजनीति, साहित्य और कला क्षेत्र की बड़ी हस्तियां मौजूद रहे. डॉ. सुरेंद्र दुबे के अंतिम संस्कार में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, गृहमंत्री विजय शर्मा, वरिष्ठ मंत्री राम विचार नेताम, विधायक अनुज शर्मा, विधायक सुनील सोनी शामिल हुए. वहीं चर्चित कवि कुमार विश्वास, सूफी भजन गायक पद्मश्री मदन चौहान, कवि सुदीप भोला, गायक-अभिनेता सुनील तिवारी मौजूद रहे.

अंतर्राष्ट्रीय हास्यव्यंग कवि पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे का आकस्मिक निधन बुधवार 26 जून 2025 को हो गया. आज सुबह 10:30 बजे से उनका पार्थिव शरीर अशोका प्लैटिनम बंगला नम्बर 25 से बूढ़ातालाब स्थित मारवाड़ी शमशान घाट लाया गया. पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे को तबीयत अचानक खराब होने पर उन्हें रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में भर्ती कराया गया था. जहां इलाज के दौरान हार्ट अटैक आने से उनका निधन हो गया.

हास्य और व्यंग से मानवीय संवेदनाओं को छुआ

डॉ. सुरेंद्र दुबे ने हास्य और व्यंग्य जैसी विधाओं को सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक चिंतन का जरिया बनाया. मंच पर उनकी प्रस्तुति, शब्दों का चयन और आत्मविश्वास दर्शकों को प्रभावित करता था. उन्होंने अपनी कविताओं से केवल हँसाया नहीं, बल्कि सामाजिक विसंगतियों, राजनीतिक हलचलों और मानवीय संवेदनाओं को भी छुआ और लोगों को सोचने पर मजबूर भी किया.

पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे की जीवन

8 अगस्त 1953 को बेमेतरा, छत्तीसगढ़ में जन्मे डॉ. दुबे पेशे से आयुर्वेदिक चिकित्सक थे, लेकिन पहचान उन्होंने एक साहित्यकार और हास्य कवि के रूप में बनाई. भारतीय साहित्य के साथ ही छत्तीगसढ़ी भाषा में उनकी पकड़ बेहद मजबूत थी. उन्होंने पांच किताबें लिखी हैं और कई मंचो और TV शो पर दिखाई दिए. उन्हें भारत सरकार द्वारा वर्ष 2010 में देश के चौथे उच्चतम भारतीय नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया था.इससे पहले पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे को वर्ष 2008 में काका हाथरसी से हास्य रत्न पुरुस्कार प्राप्त हुआ था. वर्ष 2012 में पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान, अट्टहास सम्मान और संयुक्त राज्य अमेरिका में लीडिंग पोएट ऑफ इंडिया सम्मान प्राप्त हो चुके हैं.

पेशे से थे आयुर्वेदाचार्य

आयुर्वेदाचार्य होने के बावजूद उन्होंने हास्य और व्यंग्य कविता के माध्यम से अपनी पहचान बनाई। उनकी रचनाएं सामाजिक विसंगतियों पर हास्य के साथ गहरे संदेश देती थीं, जो उन्हें मंचों और टेलीविजन कार्यक्रमों में बेहद लोकप्रिय बनाती थीं। उन्होंने मिथक मंथन, दो पांव का आदमी, और सवाल ही सवाल है सहित पांच पुस्तकें लिखीं। उनकी कविताओं पर तीन विश्वविद्यालयों में पीएचडी शोध हुए, जो उनकी साहित्यिक गहराई को दर्शाता है। डॉ. दुबे ने देश-विदेश में सैकड़ों कवि सम्मेलनों में हिस्सा लिया और अमेरिका, कनाडा, मॉरीशस जैसे देशों में छत्तीसगढ़ी संस्कृति का परचम लहराया।

छत्तीसगढ़िया गौरव

कवि सम्मेलनों से लेकर टीवी शो तक, डॉ. दुबे की मंचीय उपस्थिति ऐसी थी कि लोग हँसते-हँसते दोहरे हो जाते थे। वह छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के पहले सचिव भी रहे, जिससे उनकी क्षेत्रीय संस्कृति के प्रति गहरी निष्ठा झलकती है। उनकी कविताएँ न सिर्फ हँसाती थीं, बल्कि समाज को आईना भी दिखाती थीं।

सम्मान और पुरस्कार

- साल 2008 में 'काका हाथरसी हास्य रत्न पुरस्कार' से सम्मानित
- साल 2010 में सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री सम्मान
- वर्ष 2012 में पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान, अट्टहास सम्मान
- संयुक्त राज्य अमेरिका में लीडिंग पोएट ऑफ इंडिया सम्मान
- अमेरिका के वाशिंगटन में हास्य शिरोमणि सम्मान 2019 से सम्मानित
- उनकी रचनाओं पर देश के तीन विश्वविद्यालयों ने पीएचडी की उपाधि भी प्रदान की है।
- हास्य-व्यंग्य साहित्य की पांच पुस्तकें लिखीं
- साहित्यिक योगदान के लिये देश-विदेश में सम्मानित

कविताओं की विदेशों में भी गूंज

"जिंदा रहना है भारत में तो मर्यादा बहुत जरूरी है, पाँच अगस्त का सूरज राघव को लाने वाला है, राम भक्त जयघोष करो मंदिर बनने वाला है" ये जोशीली और भक्तिमय पंक्तियाँ छत्तीसगढ़ के ‘ब्लैक डायमंड’ और पद्मश्री हास्य कवि डॉ. सुरेंद्र दुबे की कलम से निकली हैं। इन पंक्तियों में भक्ति, उत्साह और मर्यादा का ऐसा संगम है कि सुनने वाला झूम उठता है।

छत्तीसगढ़ का ‘हास्य का हीरा’

डॉ. सुरेंद्र दुबे, जिन्हें प्यार से ‘ब्लैक डायमंड’ कहा जाता था, अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी कविताएँ आज भी दिलों में धड़कती हैं। चाहे कोरोना का खौफ हो या उनकी मृत्यु की झूठी अफवाह, इस हास्य-व्यंग्य के उस्ताद ने हर गंभीर बात को ठहाकों में बदल दिया। उनकी एक मशहूर पंक्ति, “टेंशन में मत रहना बाबू, टाइगर अभी जिंदा है!” आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ी है। छत्तीसगढ़ी बोली और हिंदी के मिश्रण से उन्होंने हास्य की ऐसी जादूगरी की, जो देश-विदेश में गूंजी।

चांवल घोटाला: जानवर नहीं खाते उसे गरीब खा रहे !

बस्तर में घटिया चांवल वितरण, केंद्रीय जांच टीम आई

सरकारी चांवल खाकर उलटी-दस्त की शिकायत

वर्ष 2023-24 के अखाद्य श्रेणी का चांवल संगृहीत

बस्तर जिले में जगदलपुर एवं घाटलोंगा सेंटर नामजद

बीजापुर जिला मुख्य सेंटर में घटिया चांवल सप्लाय

केसकाल, खुबड़ोंगरा, बड़े डोंगर सेंटर में पड़ा है बल्क

प्रदेश में गरीबों के चांवल से करोड़पति बनने वाले जिला स्तर के कर्मचारियों से लेकर नान के आला अफसरों की अब खैर नहीं। लगातार घटिया चांवल खरीदने की शिकायतों के बाद केंद्र सरकार की भारत शासन मंत्रालय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण की जांच टीम छत्तीसगढ़ में आ धमकी है। नान में चल रहे चांवल के इस खेल में राईस मिलरों, नान के जिम्मेदार अफसरों समेत सभी गोदामों और फेयर प्राइज शॉप, धान की फड़, उपार्जन केंद्रों में स्टॉक, गुणवत्ता जांच करेंगे। बता दें कि शहर सत्ता में प्रमुखता से खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के इस खेल को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था।

शहर सत्ता/रायपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम अंतर्गत पीडीएस सिस्टम हाइजेक शीर्षक से खबर प्रकाशित की गई थी। जिसमें खाद्य मंत्री के एक करीबी और नान में विभिन्न पदों में आसीन संतोष अग्रवाल की शाह पर चल रहे खेल को उजागर किया गया था। खासकर धमतरी, बालोद, आरंग, कवर्धा समेत कोंडागांव, बीजापुर, नारायणपुर, जगदलपुर, कांकेर में भारी मात्रा में घटिया चांवल मिलरों से लिया गया। हलके चांवल और रिजेक्शन केटेगिरी के चांवल को बस्तर में हितकारियों को वितरित किया जा रहा है। अखाद्य श्रेणी के इस चांवल को खाने के बाद बस्तर में उपभोक्ता उल्टी और दस्त की शिकायत भी कर रहें। कोंडागांव(बड़े और छोटे डोंगर), बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर, दंतेवाड़ा, में फेयर प्राइज शॉप, धान की फड़, उपार्जन केंद्रों में स्टॉक, गुणवत्ता जांच करेंगे। नारायणपुर और कोंडागांव के विशेष तौर पर जाँच के लिए आये हैं। जाँच अधिकारी बिरजू लाल मीणा डिप्टी सेक्रेट्री, श्री जुगनू (एसओ), हरित कुमार साक्य, सीताराम मीणा डायरेक्टर पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन, अजय कुमार एसओ दो अधिकारीयों के साथ दर्जनभर अफसर-कर्मियों की टीम पहुँच गई है। प्राथमिकता उपार्जन केंद्रों उचित मूल्य की दुकानों एवं डिपो में जांच के साथ उचित मूल्य दुकानों के लाभार्थी से फीडबैक लेंगे, पीएमजीकेवाय स्कीम का सुचारु रूप से पालन हो रहा है कि नहीं पड़ताल करेंगे। कलेक्टरों, याचिकाकर्ता, उपभोक्ताओं की शिकायतों पर चर्चा कर जानना और निराकरण करना उद्देश्य है।

प्रति लॉट में होती है लेनदेन

प्रति लॉट में 290 क्विंटल चांवल काउंट होता है। एक लॉट चांवल की कीमत तकरीबन 6 लाख है उसमें घोटालेबाज प्रति लॉट घटिया खरीदी करने पर मिलरों से 15 से 20 हजार रुपए लेते हैं। तुलना किया जाये तो कोंडागांव और बस्तर में तकरीबन 1 लाख 60 हजार क्विंटल, बस्तर में 2 लाख क्विंटल की खरीद में अफसरों की वसूली का आंकड़ा 1 करोड़ 59 लाख रूपये तक चुने लगा है। सारी अवैध कमाई जिला स्तर के कर्मचारियों से लेकर नान के आला अफसर अपनी जेब में डाल रहे हैं।

अखाद्य श्रेणी के चांवल का बड़ा खेल

हितग्राहियों की शिकायतों यूं तो प्रदेश के सभी जिलों से मिल रही हैं। खासकर बस्तर, बीजापुर, कोंडागांव और कांकेर के हितग्राहियों की सर्वाधिक शिकायतें कलेक्टरों से लेकर नान के अधिकारीयों और पीएमओ दफ्तर तक की गई है। जिसमें अखाद्य श्रेणी का चांवल वितरित किया जा रहा है। अधिकारीयों की काली कमाई का चस्का ऐसा है कि वो केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं को अपने लालच के चलते पलीता लगा रहे हैं।

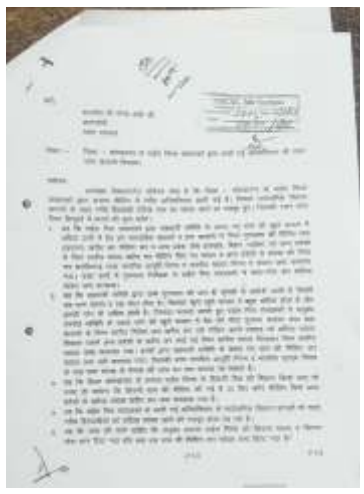

घोटाला और गड़बड़ ऐसे

घोटाले का आधार 2023-24 के बचत धान को उक्त जिलों के विभिन्न फड़ों से उठाकर घटिया और रिजेक्टेड श्रेणी का जो चांवल दिया गया है। औसतन एक एक जिलों में दो या दो से अधिक फड़ों में कोंडागांव में ही तकरीबन 1 लाख 60 हजार क्विंटल, बस्तर में 2 लाख क्विंटल, धान मिलरों के द्वारा उठाया गया और इसके एवज में घटिया चांवल की आपूर्ति की गई। कमोबेश यही आलम पुरे दक्षिण और उत्तर बस्तर के जिलों देखा जा सकता है। केंद्रीय जांच अगर निष्पक्षता और बारीकी से पड़ताल करे तो धान और चांवल घोटाले का बड़ा खुलासा होगा। घटिया चांवल उपभोक्ताओं को परोसने के बदले मिलरों ने उपार्जन से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारियों और क्वालिटी इंस्पेक्टर, केंद्र प्रभारी समेत डीएम की शह पर सारा खेल चलता है।

ऐसे तय होती है गुणवत्ता

चांवल के मानक का दो पैमाना है पहला खाद्य यानि खाने योग्य गुणवत्ता वाला तो दूसरा है अखाद्य मतलब घटिया, पुराना कीड़े लगा अपौष्टिक। केंद्र और राज्य सरकारों के द्वारा 35 किलो बीपीएल कार्ड धारकों को मिलता है। गुणवत्ता परिक्षण मुख्य रूप से 12 मानकों में होता है। नए और पुराने चांवल का केमिकल टेस्ट करने से खुलासा हो जाता है। लेकिन आला अफसरों के दबाव में क्वालिटी इंस्पेक्टर्स भी ओके रिपोर्ट दे देते हैं। अगर बाहरी राज्यों के क्वालिटी इंस्पेक्टरों या लैब में जांच हो तो छत्तीसगढ़ में चल रहा चांवल घोटाले का का राजफाश हो जायेगा। इनसेट में हलके चांवल(2023-24) की जो शिकायतें आई हैं उक्त चांवल न कि सिर्फ केमिकल टेस्ट में फेल हैं बाल्कि पाखड़ (हल्का पीला रंग)एवं डैमेज में भी फेल हैं।

भारतमाला घोटाले में छह अधिकारियों को कोर्ट का अल्टीमेटम

पेश नहीं हुए तो कुर्क होगी संपत्ति; कांग्रेस ने CBI जांच की मांग उठाई

रायपुर/बिलासपुर। अभनपुर भारतमाला परियोजना में सामने आए 43 करोड़ रुपये के मुआवजा घोटाले में फरार चल रहे छह राजस्व अधिकारियों को कोर्ट में पेश होने का अंतिम अवसर दिया गया है। विशेष न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि ये अधिकारी 29 जुलाई तक अदालत में पेश नहीं होते, तो उन्हें भगोड़ा घोषित कर उनकी संपत्तियों की कुर्की की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

कोर्ट ने इस संबंध में उद्घोषणा (प्रोक्लेमेशन) जारी कर सार्वजनिक नोटिस चस्पा करने के आदेश दिए हैं। जिन अधिकारियों को अदालत में पेश होने के लिए कहा गया है, उनमें तत्कालीन SDM निर्भय कुमार साहू, तहसीलदार शशिकांत कुर्रे, नायब तहसीलदार लखेश्वर प्रसाद किरण, पटवारी जितेंद्र कुमार साहू, पटवारी बसंती घृतलहरे और पटवारी लेखराम देवांगन शामिल हैं।

निर्भय कुमार साहू
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)

शशिकांत कुर्रे
तहसीलदार

लखेश्वर प्रसाद किरण
नायब तहसीलदार

जितेन्द्र कुमार साहू
पटवारी

बसंती घृतलहरे
पटवारी

लेखराम देवांगन
पटवारी

गिरफ्तारी से बचने, खुद को छिपा रहे आरोपी

अदालत ने आदेश में कहा है कि सभी आरोपी अधिकारी जानबूझकर गिरफ्तारी से बच रहे हैं और स्वयं को छिपा रहे हैं। उन्हें 29 जुलाई तक कोर्ट में पेश होकर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। यदि वे अनुपस्थित रहते हैं, तो उनके विरुद्ध गैर-जमानती वारंट के साथ-साथ संपत्ति कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

इस घोटाले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक प्रॉपर्टी डीलर, एक व्यवसायी और एक किसान दंपती शामिल हैं। ये सभी वर्तमान में रायपुर केंद्रीय जेल में बंद हैं। वहीं, राजस्व विभाग से किसी भी वरिष्ठ अधिकारी की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिनकी तलाश अभी जारी है।

पटवारी ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में साजिश का आरोप

इस बीच मामले से जुड़ा एक संवेदनशील मोड़ तब आया जब घोटाले में निलंबित पटवारी सुरेश मिश्रा ने हाल ही में आत्महत्या कर ली। वे 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले थे और कुछ दिन पहले ही निलंबन आदेश जारी हुआ था। पुलिस को मौके से मिला सुसाइड नोट इस मामले को और गंभीर बना रहा है, जिसमें सुरेश ने खुद को निर्दोष बताया और लिखा कि उन्हें षड्यंत्रपूर्वक फंसाया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी।